हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

1 मार्च, 1993

खण्ड–1, अंक–5

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 1 मार्च, 1993

पृश्ठ संख्या

ताराकित प्र ान एवम उतर	(5)1
नियम 45 के अधीन सदस्यो की मेज पर रखे गए ताराकित प्र ानो के लिखित उतर विभिन्न विशयो का उठाया जाना	(5)20
अताराकित प्र न एवम उत्तर	(5)21
ध्याना कर्शण प्रस्ताव	
किसानो पर पैनलटी माफ करने तथा गन्ने के नये बीज उपलब्ध कराने सम्बन्धी	(5)25
वक्तव्य	
कृशि मंत्री द्वारा उपर्युक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी	(5)25
ध्याना कर्शण प्रस्ताव करने के सबंधी	
मूल्यः सहकारी चीनी मिल पलवल मे गन्ने की पिराई की गति धीमी होने सम्बन्धी	(5)29
वक्तव्य	

सहकारिता मंत्री द्वारा उपयुक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी	(5)29
स्थगन प्रस्ताव	
एस0वाई0एल0 तथा यमुना कैनाल सम्बन्धी	(5)35
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	
श्री बंसीलाल द्वारा	(5)36
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)37
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	
श्री बंसीलाल द्वारा	(5)44
सदस्यो का नाम लेना	(5)47
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)53
राज्यपाल के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान	(5)68
वर्श 1992–93 के अनुपूरक अनुमानो पर चर्चा तथा मतदान	(5)71

हरियाणा विधान सभा

सोमवार , 1 मार्च, 1993

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

ताराकित प्र ान एवम उत्तर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होगे। श्री अमर सिह।

(Strength of the emplyees is class I, II, III and IV in P.W.D (B&R)

***397 Shri Amar Singh:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) the class wise number of employees working in P.W.D (B&R) as at present alongwith the number of employees belonging to Scheduled Castes and Backward Classess amongst them; and

(b) whether there is any shortfall in the quota of reservation; if so, the time by which it is likley to be wiped off?

लोक निमार्ण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) हरियाणा लोक निर्माण विभाग भवन तथा सडके मे कार्यरत कर्मचारियो की श्रेणीवार सख्या तथा उनमे से अनूसूचित जातियो तथा पिछडे वर्ग से संबधित ब्यौरा निम्नलिखत हैः–

	कर्मचारियो की सख्या	अनुसूचित जाति	पिछडे वर्ग
श्रेणी I	143	3	3
श्रेणी II	316	12	8
श्रेणी III	3083	357	259
श्रेणी IV	1399	567	160

(ख) सरकार की प्रचलित नीति के अनुसार इस समय श्रेणी I वह II मे कोई कमी (Shortfall) नही है। जहा तक श्रेणी III तथा IV का संबध है, कमी को पूरा करना तभी संभव होगा जब अधीनस्थ सेवाये प्रवरण मण्डल हरियाणा द्वारा सिफारि ा किये गये प्रार्थी सख्या मे उपलब्ध होगे जिसके लिए मांग पत्र भेजे हुए है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, क्लास–3 और क्लास–4 की पोस्टो की संख्या अभी माननीय मंत्री महोदय ने बताई है। क्लास–3 मे टोटल पोस्टे 3083 भरी हुई बताई गई है। मेरे हिसाब से ए0सी0 का कोटा 617 का बनना चाहिए, लेकिन आपके रिटन रिप्लाई के मुताबिक 357 एस0सी0 है। स्पीकर साहब, मै आपके

माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूगा कि इस बैकलोग को फिलअप करने के लिए क्या अगल से इन पोस्टो की भर्ती की जाएगी यदि हां तो कब तक इन पदो को भर दिया जाएगा?

चौधरी आनन्द सिह डांगी: खाली पदो को भरने का केस हमने एस0एस0एस0 बोर्ड को भेजा हुआ है। मै माननीय साथी को बताना चाहता हू कि जैसे एस0एस0एस0 बोर्ड से सिलैक ान लिस्ट हमे प्राप्त होगी, इन पदो को भरे दिया जाएगा।

श्री अमर सिंह: स्पीकर साहब, पोस्टो को भरने के लिए एस0एस0एस0 बोर्ड से सिलैक ान की इत्तजार नही की जाती और पोस्टो को एक हाक बेसिज पर ही भर लिया जाता है जिसकी वजह से एस0सी0 का कोटा भरा नही जाता। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूगा कि क्या यह हकीकत नही है कि पोस्टो को एड हाक पर भर लिया जाता है जिसकी वजह से एस0सी0 का कोटा भरा नही जाता है।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से अपने माननीय साथी को बताना चाहूगा कि आजकल हरियाणा सरकार के किसी भी विभाग मे एड हाक भर्ती नही की जाती है।

श्री अमर सिंह: अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मै माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूगा कि क्या रोस्टर सिस्टम मेनटेन

किया हुआ है यदि हां, तो कैटगरीवाईज भाार्टफाल कितना है और क्या भाार्टफल के मुताबिक पोस्टो को भरा जा रहा है?

चौधरी आनन्द सिहं डांगीः स्पीकर साहब, मै माननीय साथी को बताना चाहूगा कि एस0सी0 की 26 पोस्टो का भाार्टफल है और बी0सी0 की एक पोस्ट का भाार्टफाल है और सारा सिस्टम मेनटेन किया जा रहा है।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने रोसटर रजिस्टर के बारे मे नही बताया कि रोस्टर रजिस्टर मेनटेन किया जा रहा है या नही?

चौधरी आन्नद सिंह डांगीः स्पीकर साहब, मैने बताया है कि सारा सिस्टम मेनटेन किया जा रहा है। रोस्टर रजिस्टर भी उस मे आ जाता है। (विघ्न)

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से आदरणीय मंत्री जी से जानना चाहता हू कि रोस्टर सिस्टम कब से लागू किया हुआ है और क्या कैटेगरीवाईज रोस्टर रजिस्टर मेनटेन किया हुआ है ?

चौधरी आनन्द सिह डांगीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य रोस्टर के बारे मे जो पूछ रहे है, वह कैटेगरी वाईज बता देता हू कि कितना भाार्टफाल किस कैटेगरी मे कितना है। हमने यह फिगर रजिस्टर के हिसाब से ही दी हुई है। इसमे 3 जुनियर स्टैनोग्राफर्ज एक ट्रैसर, एक सहायक, एक असिसटैन्ट, ड्राफटसमैन

आठ स्टेनो टाईपिस्टस, एक सर्कल सुप्रिन्टेन्डेट और हैड आफिस मे भी एक स्टेनो की कमी है, ये टोटल 26 बनते है और एक बी0सी0 की पोस्ट भी खाली है इसको मिलकार टोटल 27 पोस्टे बनती है ?

चौधरी फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय मंत्री जी ने माना है कि क्लास तीन और क्लास चार मे भाोर्टफाल है और जब एस0एस0एस0 बोर्ड से सिलैक ान होकर आ जाएगी तो ये पोरटे भर लेगे। ऐसे तो काफी समय लग जाएगा। क्या जल्दी भरने के लिए सरकार कुछ ठोस कदम उठायेगी, यदि हां तो कितनी जल्दी भर कर पूरा कर लेगी?

चौधरी आन्नद सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, सरकार की प्रक्रिया है कि एस0एस0एस0 बोर्ड से ही भरती करते है। हम बोर्ड को कह देगे कि वे जल्दी से जल्दी सिलेक ान करके कैडीडेटस भेजे।

श्री पीर चन्द: अध्यक्ष महोदय, क्लास तीन के कर्मचारियो का जो बैकलाग पडा है इस मे किस किस कैटेगरी के लोगो को भाामिल करते है? जैसे क्लर्क है, औवरसीयर्ज है और कौन कौन सी पोस्ट ऐसी है जिनमे भाार्टफल है?

चौधरी आन्नद सिंह डांगी: क्लर्क से लेकर डी0सी0 तक इस डिपार्टमैट मे आते है इन सबकी टोटल 26 पोस्टे बनती है।

डा0 राम प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी ने जानना चाहूगा कि बी0सी0 और एस0सीज0 की पोस्टो के लिए अलग से ही एडवरटाईजमैट देने के बारे मे सरकार क्या सोच रही है?

चौधरी आन्नद सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, पहले यह था कि हम इनके लिए तीन बार पोस्टस एडवरटाईज करते थे और तीनो बार उपर्युक्त व्यक्ति न मिलने पर जनरल कैटेगरी से पोस्टो को भर लेते थे परन्तु अब वे पोस्टे तब तक खाली रहेगी जब तक एस.सी. के कैडीडेटस नही मिलते ।

श्री सतबीर सिंह कादयान: अध्यक्ष महोदय, रोहतक सर्कल मे जिला वाईज क्लास 4 के कडीडेट टैम्परेरी लगाए गए है। कृपया मंत्री महोदय यह बताएगे कि वहा पर कितनी पोस्टे खाली पडी है?

चौधरी आन्नद सिंह डांगी: वहा कोई पोस्ट खाली नही है और न ही कोई टैम्परेरी भर्ती हुई है।

डा0 राम प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अभी कहा था कि अगर उपयुक्त व्यक्ति न मिले तो पोस्टे खाली रखी जाएगी लेकिन सवाल तो पोस्टो को भरने का है। अगर एक्सकल्यूसिवली बी.सी./एस.सी. के लिए एडवरटाइज करे तो यह भी भरी जा सकेगी।

चौधरी आनन्द सिंह डागीः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मेरे माननीय सदस्य ने भाार्टफाल के बारे मे कहा है कि मै उन्हे बताना चाहूगा कि पूरे डिपार्टमैट के अन्दर बैकवर्ड क्लासिज की कोई भी पोस्ट खाली नही है, सारी की सारी पोस्टे फिलअप हो चुकी है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी बतायेगे कि क्लास थ्री और क्लास फोर मे कितना भाार्टफल है? इन्होने अपने जवाब मे क्लास फोर मे भाार्टफाल बताया है। क्लास फोर मे तो मोस्टली स्वीपर ही होते है इसलिए इसमे तो ओवर इम्पलायमैट होनी चाहिए, भाार्टफाल क्या है, यह ये बताये?

चौधरी आनन्द सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, क्लास फोर मे कोई भी भाार्टफाल नही है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, क्लास फोर मे भाार्टफाल है।

चौधरी आनन्द सिह राठीः अध्यक्ष महोदय, हमे बता दे कि कौन सी जगह पर भाार्टफाल है? मेरे डिपार्टमैट के अन्दर केवल 26 पोस्टे ि डयुल्ड कास्टस की और 1 पोस्ट बैकवर्ड क्लास की है, यानी कुल 27 पोस्ट खाली है। इसके अलावा कोई और पोस्टे खाली नही है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होने अपने जवाब मे दिया है–

"As regards Class III & IV it will be possible to wipe off shortfall when requisite number of candidates are recomended by S.S.S Board, Haryana to when requistions stand submitted."

आपने लिखा है कि हमने क्लास फोर मे रिक्रूटमैट के लिए एस.एस.एस. बोर्ड को लिखा हुआ है। लेनिक क्लास फोर की रिक्रूटमैट तो चीफ इजीनियर या एस.ई0 ही कर सकता है?

चौधरी आनन्द सिंह डागीः अध्यक्ष महोदय, अगर मेरी बात इनकी समझ मे न आये मै क्या कर सकता हूं? क्लास थ्री की रिक्रूटमैट एस.एस.एस. बोर्ड करता है और क्लास फोर की रिक्रूटमैट एम्पलायमैट एक्सचेंज द्वारा की जाती है। क्लास फोर मे इस डिपार्टमैट के अन्दर कोई भाार्टफाल नही है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये अपनार अग्रेजी का जवाब पढकर देख ले इसमे क्लास थ्री और क्लास ंफोर मे कोई भाार्टफाल है या नही है? इन्होने अपने जवाब मे कुछ और लिखा है लेकिन अब हाउस मे कुछ और कर रहे है?

Mr. Speaker: It stands modified orally.

Shri Amar Singh: Speaker Sir, what do yoy mean by modificaton?

ये तो मौडिफिके ान के बारे मे कुछ भी नही कर रहे है (विघ्न)

श्री सतबीर सिह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मौडिफिके ान की तो बात आपने कही है।(विघ्न)

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि जबतक यह भाार्टफाल पूरा नही हो जाता, तब तक ये 50 परसैट पोस्टे ि ाडल्यूड कास्टस से भर ले और 50 परसेट जनरल कटैगरी से भर ले। मंत्री महोदय क्या इस बात पर विचार करेगे?

चौधरी आनन्द सिह डांगीः अध्यक्ष महोदय, यह तो एस. एस.एस. बोर्ड का काम है। मेरे डिपार्टमैट के अन्दर रिजर्वे ान की जो रे ाो है, वह पूरी है।(विघ्न)

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय सदस्यो ने अपना खदसा जाहिर किया है कि ि ाड्यूल कास्ट्स का, बैकवर्ड क्लासिज का और ऐक्स सर्विसमैन का कोटा पूरा होना चाहिए। अध्यक्ष महोंदय, हमारी सरकार को बने हुए अभी सिर्फ 20 ही महीने हुए है। इस बीज हमने पुलिस मे भी 1200 आदमी भर्ती किये है। जिसमे से 200 बैकवर्ड, 400 ि ाडयूल्ड कास्ट और बाकी दूसरी जाति के है। हमारी पूरी कोि ा ा है कि जो पिछला बैकलांग है उसे पूरा किया जाए। पिछडे वर्ग के अलग से इंटरव्यू लिए गए है एक्ससर्विसमैन और ि ाड्यूल्ड कास्ट के इन्टरव्यू भी अलग से लिए गए है ताकि सबका बैकलाग पूरा किया जाए। इनके भाासनकाल मे राज्य मे बैकलाग 20 से घटाकर 13

प्रति ात पर आ गया था, यह रिकार्ड की बात है जिसे अब हम साढे सोलह प्रति ात पर ले आए है और हमारी यही कोि ा ा है कि अगले एक साल के अन्दर, जो साढे तीन प्रति ात बैकलाग बाकी रहता है वह पूरा कर देगे। जहा तक रोस्टर का मतलब है उसमे सीनियरिटी का मामला आ जाता है। रोस्टर के लिए बाकायदा हमने हिदायते जारी कर दी है कि सलैक ान रोस्टर के मुताबिक करे। चार जनरल कैटेगरी के लोगो के बाद एक हरिजन और बैकवर्ड का नंबर आना चाहिए।

तारकित प्र ान संख्या 407

यह प्र ान पूछा नही गया क्योकि माननीय सदस्य प्रो0 छतर सिंह चौहान सदन मे उपस्थित नही थे।

तारकित प्र ान संख्या 416

यह प्र ान पूछा नही गया क्योकि माननीय सदस्य प्रो0 छतर सिंह चौहान सदन मे उपस्थित नही थे।

Cases Registered under Tada

***437 Shri Jai Parkash:** Will the Chief Minister be pleased to state the district wise number of cases, if any registered under the Terrorist and distruption activities (Prvention) Act, 1987 during the year 1992-93 in the State together with details of persons arrested under the aforesaid Act?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): विवरण तालिका सदन के पटल पर रखी जाती है।

विवरण तालिका

	टाडा के अन्तर्गत 1992–93 के दौरान दर्ज अभियोगो की सख्या		टाडा के अन्तर्गत 1992–93 के दौरान गिरफतार व्यक्तियो की सख्या अभियोगो की सख्या	
	1992	1993	1992	1993
1. अम्बाला	20	1	12	1
2. यमुनानगर	7	—	8	—
3. कुरूक्षेत्र	10	1	14	7
4. कैथल	3	—	5	—
5. हिसार	48	4	66	4

6. सिंरसा	35	3	47	3
7. जीन्द	17	—	19	—
8. भिवानी	11	—	11	—
9. करनाल	6	—	22	—
10. पानीपत	1	—	3	—
11. रोहतक	10	—	27	—
12. सोनीपत	—	—	—	—
13. गुडगावं	—	—	—	—
14. फरीदाबाद	2	—	3	—
15. रिवाडी	2	—	2	—
16. नारनौल	—	—	—	—
	172	9	239	15

श्री जय प्रका : अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि जो 1992–93 मे टाडा के तहत केसिज रजिस्टर किए गए, उन की मौजूदा हालत क्या है?

सरकार ने आतकवादियो की गतिविधियो को रोकने के लिए क्यो कदम उठाए है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि टाडा की अधिसूचना 1987 मे ई ा ू कर दी थी। दे ा मे उग्रवाद बढा, इसलिए टाडा की इस्तेमाल भाुरू हुआ और उसके तहत केसिज दर्ज हुए जैसाकि मैने अभी आकडे सदन के पटल पर रखे और व आपके सामने है। उसमे यह आदे ा हुआ और नोटिफिके ान हुई कि जो व्यक्ति पकडा जाए और जिसके पास असला या कारतूस हो तो उसके ऊपर धारा–5 के तहत टाडा लगाना पडता है। अगर सरकार न भी लगाए तो कोर्ट लगाती है और टाडा लागना चाहिए ताकि दे ा मे उग्रवाद का बढावा न हो। लोग हथियार लेकन आम जनता के साथ ज्यादती, जुल्म या हत्याए न कर सके, इसी बात को लेकर टाडा का प्रावधान किया गया। जहा तक उग्रवाद की रोकथाम का सवाल है, हरियाणा प्रदे ा मे उग्रवाद को रोकने के लिए पूरे प्रयत्न किए गए है जिसका नतीजा यह है कि हरियाणा प्रदे ा मे इक्का दुक्का वारदात को छोडकर बहुत भााति और अमन रहा है, पिछले छह महीने से एम भी वारदात आपके नोटिस मे नही आई होगी। हमारी पूरी कोि ा ा है कि प्रदे ा मे उग्रवाद न पनपे और प्रदे ा का वातावरण ठीक रहे। भााति और अमन बना रहे। हमने पूरी तरह से नाकाबन्दी कर रखी है। नाको द्वारा सारे प्रदे ा को सील किया हुआ है ताकि कही से भी कोई गलत आदमी प्रदे ा मे न घूस

आये और बाहर से आकर कोई भी आदमी वारादात न कर सके। ऐसे लोगो को हमने पकडा भी है, सिवाये एक केस के जो करनाल सिनेमा मे बम रखा गया था बाकी सारे ऐसे केसिज मे या तो हमने मुलजिमो को पकड लिया है या फिर पुलिस के साथ मुकाबले मे मारे गये है।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, अभी मुख्यमंत्री जी ने अपने जवाब मे बताया है कि किसी के पास अगर कोई हथियार मिल जाये या कारतुस मिल जाये तो उस पर टाडा लगाया जाता है। मै मुख्यमंत्री महोदय, से कहना चाहता हू कि जब किसी आदमी के पास कोई देसी कट्टा या कारतूस मिल जाये तो उस पर आर्म्ज एक्ट लगना चाहिये क्योकि आर्म्ज एक्ट अभी भी स्टैड करता है। लेकिन अब सरकार क्या करती है? पिछले दिनो मुख्यमंत्री जी के अपने जिले हिसार मे ही एक केस डाबडा चौक पर हुआ है वहा पर एक औरत और एक आदमी आवारागर्दी कर रहे थे। मुख्यमंत्री महोदय के नोटिस मे क्या बात है कि आदमी के जिम्मे तो कट्टा लगा दिया गया और औरत के जिस्मे कारतूस लगा दिये गये। इस तरह इन दोनो पर टाडा लगा दिया गयां। अगर इस तरह से किया जायेगा। then there will be no end to it. अगर दे ी कट्टा या कारतूस किसी के पास मिलते है और टाडा के तहत पकडा जायेगा तो आम आदमी की क्या हालत होगी? उसके अलावा आपने ऐसे मामले मे डी0एस0पी0 को यह पावर्ज दे रखी है कि वह इन्वैस्टीगे ान करेगा। उसकी मर्सी पर आपने छोडा हुआ है कि

अगर वह कहेगा कि केस बनता है तो उस व्यक्ति को अन्दर कर देगे, अगर वह नही कहेगा तो आप छोड देगे । आपने द्वारा यह सारा कुछ डी0एस0पी0 की मर्सी पर छोडा हुआ है ऐसा नही होना चाहिये।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर किसी माननीय सदस्य के नोटिस मे यह बात आये कि कही पर कोई केस गलत बनाया गया है या झूठा बनाया गया है तो उसकी इन्कवायरी की जा सकती है। यह आप कह सकते कि पिस्तौल उस आदमी के पास था, मगर उस लेडी के पास कारतूस नही था। यह बात भी हो सकती है कि उसके पास कारतूस न हो। और यह बात भी हो सकती कि उसके पास कारतूस हो। मै यह नही कहता कि आप बात गलत है। अगर कोई गलत केस बनाया गया है तो आप उसकी इन्कवायरी करा सकते है। अगर वह बेनुगाह है तो उसको छोडा जा सकता है, इस बारे मे धारा 5 स्पश्ट है। यह कानून तो आपके जमाने का, 1987 का बनाया हुआ कानून है। 1988 मे आपने भी टाडा के तहत 194 लोगो को पकडा था। आपके जमाने मे काफी लोगा टाडा के तहत पकडे गये थे।(व्यवधान एवम भाोर) हमने भारत सरकार को इस बारे मे लिखा है और कहा भी कि जिस आदमी के पास से पिस्तौल पकडी जाती है या कारतूस पकडा जाता है, उस पर टाडा नही लगाना चाहिये। भारत सरकार से पिछले दिनो होम सैक्रैटरी और डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस की मीटिग मे भी बात हुई है उस मीटिग मे सारे

दे ा के आफिसर्ज आये हुए थे। हमने भारत सरकार से बकायदा मीटिग मे कहा कि ऐसे केसिज मे आर्म्ज एक्ट के तहत चालाना होना चाहिये। अगर कोई व्यक्ति टैरोरिस्ट एक्टिवीटीज मे इन्वाल्वड है उस पर तो टाडा लगाया जा सकता है लेकिन ऐसे साधारण केसिज मे नही लगाना चाहिए। सारे मामले पर भारत सरकार के साथ विचार हो रहा है और हमारी कोि ा ा यही है कि ऐसे आदमी पर टाडा नही लगाना चाहिये।

श्री मनी राम केहरवालाः स्पीकर साहब, क्या मुख्यमंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेगे कि पिछले चार सालो मे कितने केसिज टाडा के हुए है और किन किन केसिज का फैसला हो चुका है?

चौधरी भजन लालः चार साल कब से कब तक?

श्री मनी राम केहरवालाः इन भलमनामओ के राज के दौरान।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 1988 मे 196 लोगो को अरैस्ट किया गया। 1989 मे 76 लोगो का अरैस्ट किया गया। 1990 मे 51 लोगो को अरैस्ट किया गया। जंहा तक हमारी इस सरकार का ताल्लुक है, हमने 1992–93 के दौरान केवल 15 लोगो को टाडा के तहत अरैस्ट किया है।

श्री मनीराम केहरवालाः क्या मंख्यमंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेगे कि टाडा के तहत जिन व्यक्तियो को बन्द

किया गया है, उन मे से केवल चार साल मे कितने केसिज का फैसला हो गया है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, टाडा के तहत 239 लोग पकडे गए। इनमे 38 उग्रवादी पजाब के थे और 12 उतर प्रदे ा के थे। कितने केसिज का फैसला हुआ। यह इफंरमे ान मै भिजनवा दूगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, टाडा के तहत कुछ निर्दोश लोगो को भी बन्द किया गया है और निर्दोश समझ कर कोर्ट ने छोड दिया है। क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि उन अधिकारियो के खिलाफ जिन्होने निर्दोश लोगो को गिरफतार किया, कोई कार्यवाही करने पर सरकार विचार करेगी?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इक्वायरी करने के बाद ही इस बात का निर्णय किया जाता है कि कौन झूठा है, कौन सच्चा है और इस बात का फैसला तो कोर्ट ही करती है। भाहादत के आधार पर किसी केस की नौहयत क्या है, गवाह क्या कहते है, उसके मुताबिक सरकार कार्यवाही करती है।

श्री अमीर चन्द मक्कडः क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि अम्बाला, हिसार और सिरसा मे तो लोग गिरफतार हुए और जिनके खिलाफ केस दर्ज हुए, उनमे उग्रवादी कितने है, उनको पनाह देने वाले कितने है और नाजायज हथियार रखने वाले कितने लोग है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, तीन बाते है। पजाब के 38 उग्रवादी हमने पकडे है जो बार्डर के जिले के है जैसे कुरूक्षेत्र, कैथल, सिरसा और हिसार इन जिलो मे 82 ऐसे लोग है जिनको उग्रवादियो को पनाह के आरोप मे गिरफतार किया है। बारह उग्रवादी उतर प्रदे ा के पकडे है।

सरदार जसविन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, पेहवा मे ट्रक यूनियन मे झगडा हुआ था और दोनो और से फायरिग हुई थी। वहां पर मलिकपुर गांव मे एक कपूर सिंह वाडी लुहार रहता है। उसने बहुत साल पहले नायायज हथियार बनाने का काम छोड दिया था। डी0एम0पी0 ने उसको एस0एच0ओ0 के थ्रू बुलवाया लेकिन वह नही आया। उसके बाद डी0एस0पी0 खुद उसको बुलाकर लाया और उसे बाकायदा थाने मे बिठाकर, डी0एस0पी0 की हाजरी मे 15–16 कट्टे बनवाए गए और उसके बाद उसे टाडा के तहत गिरफतार कर लिया गया। ट्रक यूनियन का जो झगडा हुआ था, उसमे बीस बाईस लोगो के नाम एफ0आई0आर0 मे लिखे गए है। क्या मुख्यमंत्री महोदय इस सारे कांड की इंक्वायरी करवाएगे।

चौधरी भजन लालः अगर माननीय सदस्य इस केस की डिटेल जानना चाहते है तो मै बता सकता हू। जहा तक इक्वायरी की सवाल है, अगर माननीय सदस्य चाहे तो दुबारा से इक्वायरी करवा देगे और बिल्कुल निश्पक्ष इंक्वायरी करवा देगे किसी के साथ कोई बेंइसाफी नही होगी।

Transfarmer of Power House, Gohana

***429. Shri Kitab Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that the transformer of Power House, Gohanan, in Gohana division is overloaded; if so, whehter there is any prposal under consideration of the Govt. to replace the said transformer togherwith the time by which it is likely to be replaced?

चौधरी भजन लालः हा श्रीमान जी, वर्श 1993–94 के दौरान गोहाना मे एक अतिरिक्त 16 एम0वी0ए0 132/11 के0वी0 ट्रास्फार्मर स्थापित करने के प्रस्ताव है।

श्री किताब सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै मुख्यमंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि गोहाना के अन्दर जो वर्तमान ट्रास्फार्मर है, वह कितने दिनो से ओवर लोडिड है? जैसा कि इन्होने अपने उतर मे बतलाया है कि वर्श 1993–94 के दौरान गोहाना मे एक अतिरिक्त 16 एम0वी0ए0 132/11 के0वी0 ट्रास्फार्मर स्थापित करने का विचार रखती है, क्या सरकार खरीफ फसल के पहले पहले इस ट्रास्फार्मर को बदलने का विचार रखती है ताकि लोगो को किसी प्रकार की बिजली न मिलने से उत्पन्न होने वाली दिक्कतो का सामना न करना पडे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने अपने लिखित उतर मे भी यसह कहा है कि वहा पर 16 एस0वी0ए0 का नया ट्रास्फार्मर लगाने का प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है। इसके लिए आदे ा दिये गये है, कार्यवाही भुरू कर दी गई और लगभग 1

करोड रूपया इस पर खर्च आएगा। यह ट्रास्फार्मर एक साल से पहले पहले बनकर तैयार हो जाएगा। हमने यह फैसला किया है कि रबी फसल से पहले जसिया और कथूरा के जो 32–33 के0वी0 के दो सब स्टे ानज है, का लोड गोहाना की तरफ कवर्ट कर देगे। सात आठ महीनो के अन्दर अन्दर जब नेय ट्रास्फार्मर चालू होने का कार्य पूरा हो जाएगा तो उस इलाके मे जो बिजली की दिक्कत है, वह दर हो जाएगी।

Case of Rape/Murder/Aduction/Kidnapping occurred in the State.

***456 Prof Sampat Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the number of cases of murders/dowry deaths/rapes/murder after rapes/kidnapping and abuction registered in the State during the years 1991-92 and 1992-93, and

(b) the number of cases out of those referred to in part (a) above relating to minor girls/boys and the person belonging to Scheduled Castes and Backward Classess?

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल एक विवरण तालिका सदन के पटल पर रखी जाती है।

विवरण तालिका

भाग (क) दर्ज किये गये मुकदमे:

अपराधा का भीर्शक	वर्श	वर्श	वर्श	31.1.1993 तक
	1991	1992	1993	
हत्या	590	611	41	
दहेज हत्या	113	169	13	
बलात्कार	161	238	15	
बलात्कार के बाद हत्या	7	5	1	
अपहरण	287	331	27	

भाग (ख) नाबालिग लडके/लडकिया अनुसूचित जातियो पिछडी जातिया

	1991	1992	1993	1991	1992	1993	1991	1992	1993
हत्या	18	21	.....	28	41	.....	22	23	....
दहेज हत्या	...	....	...	7	14	10	4	7	....

बलात्कार	38	55	3	26	36	5	45	56	5
बलात्कार के बाद हत्या	2	2	1	...	....	....	....	....	...
अपहरण	62	42	6	23	22	5	17	18	1

प्रो0 सम्तप सिहः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्यमंत्री महोदय ने अपने लिखित जवाब मे अलग अलग केसिज का जिकर किया है। इनमे माईनर लडके लडकियो के मर्डर केसिज, माईनर लडकियो के साथ रेप केसिज, जिनमे अनूसूचित जाति व पिछडी जाति के लोग भी भाामिल है। माईनर लडकियो के साथ रेप के बाद मर्डर करने के केसिज है और इन अपराधो की सख्या दिन प्रति दिन बढ रही है। मै उनसे यह जानना चाहता हू कि जिन केसिज का उन्होने अपने लिखित उतर मे जवाब दिया है उनमे से कितने केसिज ऐसे है जो अन ट्रेसेबल है, कितने केसिज मे चालान हुए है कितने केसिज का फैसला हो चुका है, कितने केसिज मे सजा हो चुकी है और कितने केसिज मे लोग बरी हो चुके है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय 1991 मे 590 मर्डर के केसिज दर्ज हुए, इनमे से 495 के केसिज मे चालान हुआ, 28

को सजा हुई, 91 बरी हुए, 11 कैसल हुए, 60 केसिज अन ट्रैसबल रहे, 15 मे तफती ा जारी है और 316 केसिज अदालत मे है। इस तरह से अगर सभी केसिज के बारे मे आप डिटेल मे पूछना चाहे तो मै बता सकता हू वैसे अनूसूचित जाति एवम पिछडी जाति की लडके लडकियो के साथ जितने केसिज हुए उसका हवाला मैने अपने ही लिखित उतर मे दे दिया है इसी तरह से 1992 मे 611 मर्डर केसिज दर्ज हुए उनमे से 390 के चालान हुए, 9 को सजा हुई, 35 बरी हुए, 26 कैंसल हुए, 182 केसिज मे तफती ा जारी है और 346 केसिज कोर्ट मे है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय से सभी केसिज के बारे मे अपने लिखित उतर मे सूचना तो दे दी है लेकिन मै उनसे यह जानना चाहता हू कि माईनर गर्ल्ज के साथ रेप करने के बाद कितने केसिज मे मर्डर हुआ, कितने ऐसे केसिज अन ट्रेसेबल है और कितने केसिज मे सजा हुई है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 1991 मे नाबालिग लडके लडकियो के 18 केस दर्ज हुए इनमे से 12 की हत्या हुई। अनुसूचित जातियो के 28 केस दर्ज हुए और इनमे से 15 की हत्याए हुई। इन दोनो को मिला कर 25 केसिज के चालान हो गए है, 4 बरी हो गए है दो अदम पता है और 21 केस अदालत के अन्दर है। (विघ्न) अनुसूचित जातियो तथा पिछडी जातियो के बलात्कार के केस 1991 मे 26, 1992 मे 36 और 1993 मे 5 हुए।

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, ये जो फिग्गर्ज मैबर्ज की सप्लाई की गई है, इसमे मुख्यमंत्री जी ने नोट किया होगा कि रैप केसिज 1991 मे 161 थे और 1992 मे 238 हो गए। इसी तरह से माईनर गलर्ज और बु आयज के रैप केसिज मे भी काफी इनक्रीज आई है। क्या मुंख्यमंत्री जी इस बारे मे विचार करेगे कि ये गवर्नमैट आफ इडिया को मूव करे कि रेप केस मे जो अदालत सजा देती है, वह बहुत सख्त नही होती उसे लाईफ इम्परिजनमेंट कर दिया जाए ताकि ये अपराधा कम हो?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महादेय, इसके लिए कानून मे चेंज करनी पडेगी और उसे तो भारत सरकार ही कर सकती है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुझे श्री अमर सिंह जी ने करैक्ट किया है कि ऐसा हो गया है।

चौधरी भजन लालः अगर हो गया है तो ठीक है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, दो माईनर मर्डर मे स्पैसिफिक केस है जिनके बारे मे मै पूछना चाहता हू। एक साढे पांच साल का अ ी ा नाम का लडका 12.11.1992 को स्कूल से उठाया गया। यह रेन बो स्कूल, नारनौल से उठाया गया था और उसके बाद उसकी ला ा 8–10 दिन बाद वहा से 4 किलोमीटर पर मिली। मै जानना चाहता हू कि क्या अब तक उस केस मे कोई कार्यवाही हुई है या किसी को गिरफतार किया गया है दूसरे केस

के बार मे खुद मुंख्यमंत्री जी को मालूम है। इनके खुद के हल्के मे एक असरांवा गाव है। वहा पर 6 साल का राजेन्द्र नाम का बच्चा गायब हुआ और अगले दिन सुबह उसके घर के पडौस मे उसकी ला ा मिली। उस गांव के लोग मुख्यमंत्री जी को मिले और उन्होने एक दो जनो पर ऊगलियां भी उठाई, यह भी हो सकता है किसी बांझ औरत ने ऐसा किया हो। उस कातिल को पुलिस ने पूछा लेकिन पकडा नही । उस उस कातिल का संबध इनके हल्के के गांव से है इसलिए उन्होने कहा है कि इस पर जरूर कार्यवाही की जाएगी। वहा के एस0पी0 का भी ब्यान आया था किसी को पोलिटिकल माइलेज नही निकालने दी जाएगी। हम चाहते है कि बच्चे के कातिल को जल्दी पकडा जाए और मै इससे यह पूछना चाहता हू कि कब तक वह पकडा जाएगा? इसके इलावा, श्री जोगिन्द्र सिंह के अपने गांव से एक लडकी को उठा लिया गया लेकिन अभी तक उसके बारे मे कोई कार्यवाही नही हुई है। मै मुख्यमंत्री जी से जानना चाहता हू कि उस केस के बारे मे कब तक कार्यवाही भुरू हो जाएगी?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सम्तप सिंह जी ने नारनौल के केस के बारे मे पूछा है। उस केस के बारे मे मै इनको बताना चाहूगा कि उसमे पांच आदमी गिरफतार हो चुके है। जहा तक इनका सवाल आदमपूर हल्के के असंरावा गांव के बारे मे है, वह केस मेरे नोटिस मे है। वह केस मेरे नोटिस मे लाया गया और उस गांव के लोग मेरे से मिले थे। मैने वहा के एस0पी0 को

आदे ा दिये थे कि आप बाकायदा पूरी छानबीन करके मुझे रिपोर्ट दे। उस गांव के तकरीबन सभी लोग लगातार पिछले चालीस सालो से मुझे वोट देते आ रहे है। किसी के साथ कोई ज्यादती हो यह भी ठीक बात नही और यदि कोई गुनाहगार छुट जाए तो यह भी ठीक बात नही है। एस0पी0 ने गावं के लोगो को बुला कर पूछ ताछ की और महिलाओ को अलग बुला कर पूछ ताछ की। महिलाओ से इसलिए पूछताछ की क्योकि कई बार किसी महिला के बच्चा पैदा न होने की वजह से टोना टाकी के हिसाब से बच्चे की बलि चढा दे ताकि उसको बच्चा हो जाएगा। लेकिन अभी तक उस केसे के बारे मे कोई पता नही चल सका। कि वह कैसे मरडर हुआ है। फिर भी मै इनको बताना चाहता हू कि मै जितने बार भी वहा जाता हू तो उस केस के बारे मे एस0पी09 से पूछता हू। जब उस बच्चे के परिवार वालो से पूछा गया कि क्या आपको किसी भी भाक है तो उन्होने कहा कि उन्हे किसी पर भाक नही है। वे किसी का नाम भी नही लेते लेकिन फिर भी उस केस के बारे मे पूरी जांच कर रहे है कि वह बच्चा कैसे मरा है और किसने मारा है। इन्होने एक सवाल यह भी किया है कि जोगिन्द्र सिंह जी के गावं से किसी लडकी को उठा लिया गया। इस बारे मे मुझे अभी तक पूरी जानकारी नही है। इसके बारे मे पूरी जानकारी ले करके मै कल या परसो तक इनको बता दूगा।

Upgradation of the Schools

***425 Chaudhri Zile Singh Jakhar:** Will the Minister for Edcuation be pleased to state whether there is

any proposal under considerarion of the Govt. to upgrade the Govt. High School, Birohar and Salhwas to 10+2 system school; if so, the time by which the said schools are likely to be upgraded?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी): जी नही।

चौधरी जिले सिंह जाखड: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि स्कूलो को अपग्रेड करने के क्या नार्म्ज है? पिछले बजट सै ान में मंत्री महोदया ने कहा था कि ऐसे स्कूल जिनकी बिल्डिग खुद वहा के लोग बनवा कर देगे तो हम उन स्कूलो को अपग्रेड कर देगे। मेरे हल्के मे बिरोहड गांव के स्कूल की बिल्डिग गांव के लोगो ने 30 लाख रूपए इकटठे करके बहुत अच्छी बिल्डिग बनाई हुई है, उस बिल्डिग जैसे सारे हरियाणा मे किसी भी स्कूल की बिल्डिग नही बनी हुई है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि क्या ि ाक्षा को बढावा देने के लिए भविश्य मे उस स्कूल को अपग्रेउ करेगी?

श्रीमती भाान्ति देवी राठी: स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने बिरोहड और साल्हावास स्कूलो का दर्जा बढाने के बारे मे सवाल पूछा है। मै इनको बताना चाहूगी कि बिरोहड गांव के स्कूल के लिए हमे 14 कमरे चाहिए वहा पर 7 कमरे उपलब्ध है और सातो कमरे असुरक्षित है। इसके इलावा एक आफिस चाहिए और एक स्टोर चाहिए लेकिन स्टोर नही है। प्रयोग ालाए तीन चाहिए लेकिन एक भी नही है। स्टाफ रूम एक है। एक हाल

चाहिए लेकिन नही है। चारदीवारी चाहिए लेकिन वह नही है। इसके इलावा 6 एकड जमीन चाहिए लेकिन जमीन केवल दो एकड है। 150 बच्चे चाहिए लेकिन बच्चे केवल 66 है। समीप के स्कूल से 8 किलोमीटर की दूरी चाहिए लेकिन यह नार्म भी पूरा नही होता। इसलिए भविश्य मे भी यह स्कूल अपग्रेड होने की सम्भावना नही है।

चौधरी जिले सिंह जाखडः स्पीकर साहब, बिरोहड स्कूल मे 24 कमरे पिछले चार साल से बने हुए है।

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः दूसरा स्कूल साल्हावास का है। साल्हावास इनका अपना हल्का है। इसमे कोई दो रायर नही कि कुछ बाते छोड कर साल्हावास का स्कूल सभी नार्म्ज पूर करता है। स्कूल अपग्रेड करने के लिए जितने नार्म्ज होने चाहिए उससे भी ज्याद नार्म्ज पूरे करता है। लेकिन अभी ऐसी कोई नीति निर्धारण नही की गई है कि भविश्य मे स्कूल अपग्रेड करने है या नही करने है। अगर सरकार ने स्कूल अपग्रेड करने के बारे मे कोई निर्णय लिया तो स्कूल को अपग्रेड करने के बारे मे विचार किया जा सकता है।

चौधरी बलंवत सिंह मैनाः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने किसी स्कूल को 10+2 के लैवल तक अप ग्रैड करने के बारे नार्म्ज बताए है। मै मंत्री महोदय के ध्यान मे लाना चाहता हू कि मेरे हल्के मे सांपला के अन्दर लडकियो का और एक लडको

का हाई स्कूल है। इसके अलावा प्राईवेट स्कूल भी है। सरकार ने उस प्राईवेट हाई स्कूल को तो 10+2 मे बदल दिया है लेकिन जो सरकारी स्कूल है उनको 10+2 मे नही बदला। पिछले दिनो सांपला के अन्दर एक स्कूल का बच्चा बस से गिर कर मारा गया था। मै मंत्री महोदय के नोटिस मे यह भी लाना चाहूगा कि जो सरकारी हाई स्कूल है, वह सारे नार्म्ज पूरा करता है। जब एक प्राईवेट स्कूल को अपग्रेड किया जा सकता है तो सरकारी स्कूल को अपग्रेड करने मे इन्हे क्या कठिनाई है?

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, एक बात तो मै अपने भाई को यह बतलाना चाहती हू कि जितना अधिकारी सरकारी स्कूलो का है, उतना ही अधिकार किसी प्राईवेट स्कूल को भी है। इन दो स्कूलो के बारे मे जो सवाल पूछा है इसके लिए ये अलग से नोटिस दे दे, तो मै इनको बात पाऊगी।

चौधरी औमप्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, भाई जिले जी ने बिरोहड गांव के स्कूल को अपग्रेड किए जाने के बारे मे पूछा था और ि ाक्षा मंत्री महोदय ने जो विवरण दिया है, उससे लगता है कि अधिकारियो की तरफ से इनको गलत जानकारी दी गई है। मै बताना चाहूगा कि जो विवरण इन्होने दिया है वह पुरानी बिल्डिग का दिया है। जो नई बिल्डिग बनी है उसके 24 कमरे है। उस नई बिल्डिग का हाल इतना बडा है कि मैने हरियाणा के अन्दर किसी भी स्कूल मे इतना बडा हाल नही देखा। इसी प्रकार स्कूल का गेट भी बहुत बढिया है और चारदिवारी भी बनी हुई है।

गावो वालो ने बडी मेहनत से स्कूल की बिल्डिग को तैयार किया है ऐसी बिल्डिग तो भाायद किसी कालेज की भी न हो। हालाकि यह स्कूल मेरे हल्के मे नही पडता लेकिन मैने उस बिल्डिग को देखा है। इसलिए मे चाहूगा कि सरकार उसको जल्दी से 10+2 मे अपग्रेड करने की कृपा करे।

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से अपने भाई बेरी साहब को बताना चाहती हू कि विभाग ने जो सूचना मुझे दी थी, वही मैने दी है। फिर भी जैसा इन्होने बताया है मै इसे दिखवा लूगी कि इसमे क्या गडबड है? यदि वह स्कूल सारी मान्यताए पूरी करता है और वास्तव मे अपग्रेड करने लायक है तो मै आपके जरिये इनको बताना चाहती हू कि भविश्य मे इस स्कूल को अपग्रेड किए जाने पर विचार कर लिया जायेगा।

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से बताना चाहता हू कि मेरे हल्के मे एक जाखल मे हाई स्कूल है और मण्डी भी है। इसके अलावा वहा म्युनिसिप्ल कमेटी भी है। मैने इस बारे मे पहले भी एक क्वै चन मे पूछा था कि जाखल का हाई स्कूल जो 10+2 की सारी मान्यताए पूरी करता है को क्यो अपग्रेड नही किया जाता? वहा पर 25 कमरे है। पहले यह स्कूल एक बार 10+2 का अपग्रेड भी कर दिया गया था लेकिन चालू नही किया गया था। बाद मे इसको फिर तोड दिया। मै यह भी बताना चाहूगा कि उस भाहर की आबादी भी तकरीबन 15 हजार के आसपास है। इसके अलावा यह वैसे भी पजाब के बार्डर पर

पडता है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हे कि इस स्कूल को कब तक 10+2 मे अपग्रेड कर दिया जाएगा? (विघ्न)

श्रीमती भाान्ति देवी राठी: अध्यक्ष महोदय, मेरे वरिश्ठ भाई पीर चन्द जी काफी बुजुर्ग है और हमारे वरिश्ठ साथी है। मेरे मन मे उनके लिए बडा सम्मान है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से इनको बताना चाहती हू कि इस बारे मे सरकार विचार करेगी कि इस स्कूल को अपग्रेड कर दिया जाए या नही।

Potable Water

***472 Chaudhri Om Parkash Beri:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) whether the Government is aware of the fact that potable water in not available to the residents of un authorised colonies in the State;

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to supply drinking water to the said colonies; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Govrnment to provide domestic connections of drinking water in all vilages of the State; if not the reasons there of?

जन स्वास्थय मंत्री (श्री निर्मल सिंह):

(क) हां।

(ख) गैर मजूर कालोनियो की जो नगरपालिका क्षेत्र मे आती है पीने का पानी दिया जाता है जब नगरपालिका उसे नियमित करती है। फिर भी कई मामलो मे नगरपालिका द्वारा नलो मे कालोनियो को माननीय आधार पर नियमित होने से पहले पानी दिया जा चुका है। गैर मजूर कालोनिया जो नगरपालिका क्षेत्र मे नही आती राज्य सरकार के समक्ष इनमे नलो से पानी देने बारे तकनीकी आधार पर प्रस्ताव रखा है। फिर भी इस बारे मे उन गैर मजूर कालौनियो मे जो कि नगरपालिका क्षेत्र से बारह है को पानी देने बारे कोई पालिसी प्रैक्टीकल दिक्कतो के कारण नही बनी है।

(ग) नही, फिर भी घरो मे पीने के पानी के निजी कनैक ान छोटे पैमाने पर उन गावो मे दिये जा रहे है जहा पर पानी का पर्याप्त दबाव है।

श्री औम प्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, जो भी रैगुलर कालोनीज या अनएथोराईज्ड कालोनीज भाहरो मे होती है उनकी गिनती मतगणना के समय होती है और उनको पीने का पानी उपलब्ध करवाना सरकार का कर्तव्य है। पीने का पानी इन्सान की मौलिक अव यकताओ मे आता है। इसलिए दे ा के हर नागरिक को पीने का पानी देना सरकार की बडी भारी जिम्मेदारी है। जब सैसिज होती है उस वक्त उन ऐथोराईज्ड कालोनीज की आबादी को भी जनसख्या मे गिना जाता है अगर हम उसको पीने का पानी उपलबब्ध नही करवा सकते, तो हम अपने उत्तर दायित्व से गुरेज करते है। ऐसी हालत मे क्या मंत्री महोदय हाउस मे यह

आ वासन देगे कि अन ऐथोराईज्ड कालोनीज को पीने का पानी उपलब्ध करवाया जाएगा? म्यूनिसिपल कमेटी की आमदनी बहुत थोडी होती है, इसलिए ये ज्यादा पैसा नही दे सकती। दूसरे, स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि डौमेस्टिक कनैक्शन देने की हमारी कोई परपोजल नही है। स्पीकर सर, पहले सरकार की तरफ से यह आ वासन दिया गया था कि जिन गावो की आबादी 10 हजार से ज्यादा होगी, उन मै डोमैस्टिक कनेक्शन दिये जायेगे। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूगा कि जिन गावो की आबादी 10 हजार से अधिक है, क्या उनमे, डौमैस्टिक कनैक्शन देने के बारे मे कोई मामला सरकार के विचारधीन है?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने जो पहला सवाल किया है उसके बारे मे पहले ही मैने अपने जवाब मे बताया है कि अन लिमिटिड जो अनऐथोराईज्ड कालोनीज है, उनमे हम मानवीय आधार पर कही कही पानी देते है। जो कालोनीज लिमिट के बाहर है और एप्रुड कालोनीज नही है, उनको पानी देने की कोई नीति नही है। गवर्नमैट की यह नीति के तहत इस समय ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नही है। अगर ऐसा किया जाए तो इस पर बहुत भारी खर्च करना पडेगा। म्यूनिसिपल ऐक्ट, 1973 की धारा 203 (ग) के तहत कुछ भार्ते है और यदि कोई कालोनी उन भार्तो को पूरा करती है तो वह ऐथोराईज्ड कालोनी मे बदल जाती है, जिसमे पीने का पानी उपलब्ध करवाने का

प्रावधान है। जहा तक निजी कनैक ान देने के बारे मे पूछे गये प्र ान का ताल्लुक है, मै अपने माननीय साथी को यह बताना चाहूगा कि गावो मे निजी कनैक ान देने के बारे मे कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नही है। फिर भी कुछ कण्डी ान्ज है, जिनमे निजी कनैक ान दिया जा सकता है जैसे कोई हैण्डिकैप्ड है, कोई बीमार है या कोई विकलांग फौजी है, उसको कही कही पर नीजी कनैक ान दे देते है।

श्री अमीर चन्द मक्कडः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री से जानना चाहूगा कि यह जो नगरपालिका मे कालोनीज बनी हुई उनमे पानी देने की जिम्मेवारी म्यूनीसिपल कमेटी की है या पब्लिक हैल्थ विभाग की है? दूसरे अनअथोराईजड कालोनीज को पानी देने के बारे मे क्या नार्मज है?

श्री निर्मल सिहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मैम्बर साहब को बताना चाहता हू कि अनअथोराईजड तो अनअथोराईजड है और पानी का प्रबन्ध तो म्यूनिसिपल कमेटी ही करती है।

श्री रामपाल सिह कंवरः मंत्री जी ने बताया कि प्राईवेट कालोनीज मे भी कलैक ान अलाऊ करते है। तो क्या यह क्नैक ान मिनिस्टर लैवल से दिए जाते है या किसी और लैबल से दिए जाते है?

श्री निर्मल सिहः यह मिनिस्टर लैबल से दिए जाते है।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, हमारे फरीदाबाद जिले मे जो पहले से वाटर सप्लाई की स्कीम लगी हुई है, उसका पानी बहुत ही खारा हो गया है सरकार की लैबोरेटरी ने भी कह दिया है कि यह पानी आदमियो के पीने लायक नही है। तो क्या मंत्री जी आ वासन देगे कि वहा पर युद्ध स्तर पर दूसरे टयूबवैल्ज लगाकर लोगो को पीने का पानी उपलब्ध करवाएगे?

श्री निर्मल सिहः अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसा है तो मैम्बर साहब यह हमारे नोटिस मे लिखकर लाए, इस बारे मे कार्यवाही की जाएगी। इस बारे मे लीडर आफ दी हाउस ने भी आ वा ान दिया है।

श्री हरी सिंह नलवाः अध्यक्ष महोदय, क्या इनकी नोलेज मे गावो मे पीने का पानी पैसे लेकन देने की कोई स्कीम है? जैसे कि मेरे हल्के के गावो मे 3 हजार रूपये लेकन पानी के कनैक ान दिए जाते है, अगर ऐसा है तो जो भी व्यक्ति पानी का कनैक ान मांगे उससे 3 हजार रूपए लेकर देने की कृपा करेगे?

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने ऐसा नही कहा है कि सभी को कनैक ान देते है। जहां पर बहुत जरूरी होता है वहा कनैक ान दे देते है। करनाल और कुरूक्षेत्र मे जो अप्लाई करता है, उसको कनैक ान दे देते है। इन्होने 3 हजार की कोस्ट देने के बारे मे जो कहा है उस बारे मे मै यह कहता हू कि एक हजार तो फीस है, वह तो लगती ही है, लेकिन घरो मे जो

मैटीरीयल प्रयोग करते है, वह दो हजार का भी हो सकता है, तीन हजार का भी हो सकता है और पांच हजार का भी हो सकता है।

Construction of Studs on Jamuna River

***478 Shri Ram Pal Singh Kanwar:** Will the Minister for irrigation be pleased to state whether there is any proposal under coniseration of the Govt. to constrct studs on U.P pattern at jamuna in district Karnal; if not, the reasons thereof?

Irrigation Minister (Chaudhri Jagdish Nehra): As per latest guidelines approved by Yamuna Committee, there is now no difference between U.P & Haryan pattern for design & constrcuion of studs.

श्री राम पाल सिह कवंरः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अपने जवाब मे बताया है कि यू0पी0 और हमारे हरियाणा मे जो स्टड्ज बनाये जाने है तो वह यू0पी0 के पैटर्न पर ही बनाए जाने है और उनके लिए अब गवर्नमैट ने फैसला भी ले लिया हैं। मै मंत्री जीने जानना चाहूगा कि यह फैसला कब लिया गया है तथा इस फैसले के तहत यमुना मे कब स्टडज बनाए गए है या बनाये जाने की प्रपोजल है?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, यह फैसला चार साल पहले लिया गया था और आज जो हरियाणा मे स्टडज बनाये है, वह यू0पी0 के पैटर्न के मुताबिक ही है या बनाये जा रहे है। यह बात दुरूस्त है कि यू0पी0 के पैटर्न पर जो स्टड्ज बने हुए है,

वे अभी 17 ही है। यू0पी0 के जो स्टडज बने हुए है वह काफी लम्बे साईज के बने हुए है। हम लोगो के इसके लिए ऐतराज भी किया है कि यू0पी0 ने जो ज्यादा स्टडज बना दिये है उनके कारण हमारी तरफ यानी हरियाणा की तरफ पानी आ जाती है। लेकिन अब तो लैटेस्ट स्टड बन रहे है चाहे वे यू0पी0 के हो, चाहे वे हरियणा के हो, तो वे यू0पी0 के मुताबिक बन रहे हे।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदस्यो की मेज पर रखे गए ताराकित प्र ानो के लिखित उतर विभिन्न विशयो का उठाया जाना

Bridge on Yamuna River

*** 484 Shri Ram Rattan:** Will the Minister of P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a bridge of drums on Yamuna River near Hassanpur; and

(b) if so, time by which the aforesaid bridge is likely to be constructed?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) जी नही।

(ख) प्र न उत्पन्न नही होता।

Construction of Link Raods

*** 468 Shri Satbir Singh Kadian:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) whether ther is any proposal under consideration of the Govt. to consruct the following links roads in District Panipat:

i) Puther to Chamrada;

ii) Dimana approach road to Vet. Hospital Siwan;

iii) Buana Lakhu to Shamri:

iv) Kutani to Bhaswal;

v) Urlana Khurd to Gurdwara Safidon Raod; and

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) पानपत जिला मे क्रमांक 1 से 5 तक सडको के निर्माण का कोई प्रस्ताव नही है।

(ख) यह कहना सम्भव नही है कि इन सडको के निर्माण पर कितना समय लगेगा।

Industrial Units/Mild Plants in Palwal

***490 Shri Karan Singh Dalal:** Will the Minsiter for Environment be pleased to state-

(a) the total Number of Industrial Units/Milk Planats started functioning around Palwal City during the year 1992, and

(b) the names of Unit/Plants out of those refferred to in Part (a) above which have not installed effuent treatment plants for controlling pollution together with the action taken against them.

वन मंत्री (राव इन्द्रजीत सिंह):

(क) दो।

(ख) भून्य।

अताराकित प्र न एवम उत्तर

*** 74 Prof. Sampat Singh:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to widen the road form village Sarsod to Jakhal in District Hisar; if so, the time by which the said road is likely to be widerned?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी): हा जी। कार्य विभिन्न चरणे मे चल रहा है और धनराि ा की उपलब्धि के अनुसार पूण्र कर दिया जायेगा।

Grants Given to Sports Associations

75. Prof Sampat Singh: Will the Miniter for Sports be pleased to state whether any grants have beeb given to various sports associations/organisatins by the State Government during the period 1991-92 and 1992-93, if so, the details thereof?

खेल मंत्री (श्री राजे ा भार्मा): हा विवरण साथ लगे अनुलग्नक 'अ' पर है।

अनुलग्नक 'अ'

खेल विभाग द्वारा खेल संघो को दी गई अनुदान की रा ि ा

वर्श 1991–92

क्र0 सख्या	खेल संघ का नाम व स्थान	रा ि ा रूपये मे
1	2	3
1.	हरियाणा कु ती संघ, कुरूक्षेत्र	62000.00
2.	हरियाणा पर्वतारोहण संघ, चण्डीगढ	10000.00
3.	हरियाणा बाक्सिग संघ, हिसार	12000.00
4.	हरियाणा नौकायान संघ, चण्डीगढ	10000.00
5.	हरियाणा टेबल टनिस संघ, अम्बाला	20000.00
6.	हरियाणा हैण्डबाल संघ, जीन्द	51000.00
7.	हरियाणा बास्केटबाल संघ, जीन्द	25000.00
8.	भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ, चण्डीगढ	500000.00

9.	हरियाणा मुक एवम बधीर कल्याण, समिति चण्डीगढ	5000.00
10.	युवा सचिवालय कल्ब, चण्डीगढ	5000.00
11.	जिला एथलेटिक सघं, सोनीपत	25000.00
12.	हरियाणा तीरकमान संघ, सिरसा	19000.00
13.	हरियाणा राईफल संघ, हिसार	4000.00
14.	जिला ओलम्पिक संघ, यमुनानगर	13000.00
15.	हरियाणा सस्कृत महाविधालय संघ, रामराय जीन्द	100000.00
16.	हरियाणा खो खो संघ, रोहतक	15000.00
17.	हरियाणा एथलेटिक संघ, रोहतक	200000.00
18.	हरियाणा एडवैन्चर कल्ब, चण्डीगढ	20000.00
19.	हरियाणा फुटबाल संघ, करनाल	35000.00
20.	हरियाणा योगा संघ, चण्डीगढ	95000.00
21.	हरियाणा फैसिंग संघ, सोनीपत	85000.00
22.	हरियाणा बेसबाल संघ, रोहतक	5000.00

23.	हरियाणा बैडमिन्टन संघ, रोहतक	5000.00
24.	जनसत्ता जरनलिस्ट संघ, चण्डीगढ	5000.00
25.	हरियाणा कैरम संघ, फरीदाबाद	25000.00
26.	जिला औलम्पिक संघ, रिवाडी	35000.00
27.	जिला औलम्पिक सघ, करनाल	20000.00
28.	जिला औलम्पिक संघ, कुरूक्षेत्र	20000.00
29.	हरियाणा टाई क्वान्डी संघ, रोहतक	10000.00
30.	हरियाणा सर्कल कब्डडी संघ, जीन्द	8000.00
31.	हरियाणा सोफटबाल संघ, रोहतक	5000.00
32.	हरियाणा सिविल सचिवालय क्रिकेट कल्ब, चण्डीगढ	5000.00
	वर्श 1992–93	
33.	हरियाणा फुटबाल संघ, करनाल	75000.00
34.	हरियाणा जिम्नास्टिक संघ, रोहतक	35000.00
35.	हरियाणा एथलेटिक संघ, रोहतक	35000.00
36.	हरियाणाप टेबल टेनिस संघ, सिरसा	30000.00

37.	हरियाणा राज्य वैटरन एथलेटिक संघ हिसार	25000.00
38.	भारतीय कोरफबाल महासंघ, रोहतक	50000.00
39.	हरियाणा फैसिंग संघ, सोनीपत	25000.00
40.	हरियाणा साईकल पोलो संघ, जीन्द	5000.00
41.	हरियाणा बिलियरड एण्ड सनुकर संघ, पचकुला अम्बाला	15000.00
42.	हरियाणा सर्कल कब्डडी, जीन्द	20000.00
43.	हरियाणा बाक्सिग संघ, हिसार	50000.00
44.	हरियाणा सोंफटबाल संघ, रोहतक	5000.00
45.	हरियाणा कु ती संघ, कुरूक्षेत्र	32000.00
46.	हरियाणा खो खो संघ, रोहतक	25000.00
47.	हरियाणा सिविल सचिवालय पर्वतारोहण संघ, चण्डीगढ	20000.00
48.	हरियाणा बाक्सिंग संघ, हिसार	7500.00
49.	जिला औलम्पिक संघ, फरीदाबाद	50000.00

50.	हरियाणा नौकायान संघ, चण्डीगढ	21000.00

Provision of School Uniform

76. Prof Sampat Singh: Will the Miniter for Education be pleased to state whether school uniforms are being provided free of cost to the Boys/Girls belonging to scheduled castes and the weaker sections of the society; if so, the amount sanctioned/spent during the year 1991-92 and 1992-93 therefor separately?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी): जी हां, प्राईमरी/माध्यमिक कक्षाओ मे पढ रही अनुसूचित जातियो तथा कमजोर वर्गा की लडकियो को स्कूल वर्दी के लिये मुफत कपडा दिया जाता है। इन जातियो तथा वर्गो के लडको को स्कूल वर्दी के लिए मुफत कपडा देने का इस स्कीम प्रावधान नही है।

वर्श 1991–92 तथा 1992–93 मे इसके लिये जो रा ि ा स्वीकृत/खर्च की गई उसका विवरण निम्न प्रकार है:–

(i) प्राथमिक स्तर

वर्श	स्वीकृत रा ि ा (रूपये लाखो मे)	खर्च की गई रा ि ा (रूपये लाखो मे)
1991–92	102.50	102.50
1992–93	102.50	102.50 (प्रत्या ि ात)

		कपडे के क्रय आदे ा पहले ही दिये जा चुके है।

(i) माध्यमिक स्तर

वर्श	स्वीकृत रा ि ा (रूपये लाखो मे)	खर्च की गई रा ि ा (रूपये लाखो मे)
1991—92	35.25	35.25
1992—93	75.30	75.30 (प्रत्या ि ात) कपडे के क्रय आदे ा पहले ही दिये जा चुके है।

Pay Scales

77. Prof Sampat Singh: Will the Miniter for Finance be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Goverment to grant pay scales to its emplyees equivalent to their counter parts in the Punjab State. if so, the time by which the decision in the matter is likely to be taken?

वित मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): इस प्रकार का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नही है किन्तु राज्य सरकार ने एक कमेटी का गठन किया है जो हरियाणा सरकार के कर्मचारियो ने

वेतनमानो मे पजाब पद्धति पर स ाोधन करने सम्बन्धी वित्तीय प्र ाासनिक तथा अन्य जटिलताओ का निरीक्षण कर रही है। उपरोक्त कमेटी द्वारा 31.3.1993 तक रिपोर्ट दिये जाने की सम्भावना है।

ध्याना कर्शण प्रस्ताव

(i) **किसानो पर पैनल्टी माफ करने तथा गन्ने के नये बीज उपलबध कराने सम्बन्धी**

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of calling attention motion No. 2 given notice of by Shri Lehri Singh regardings waiving off of penalty on farmers and providing new seeds of sugarcane. I admit is. He may please read his motion.

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै इस महान सदन का ध्यान इस अत्याव यक लोक महत्व के विशय की और दिलाना चाहता हू कि पिछले साल के मुकाबले इस साल प्रति एकड गन्ने की फसल की पैदावार आधी हुई है जिसके परिणामस्वरूप किसानो को गन्ने की फसल उगाने पर हुए खर्चे के बराबर भी आमदनी नही हुई है। इस से मजदूरो को भी बेकारी का सामना करना पड रहा है। यमुनानगर भाुगर मिल ने पिछले साल पूरा गन्ना व पीड कर किसानो के लिए समस्याए खडी कर दी है। इस क्षेत्र के किसानो की लगभग 20 प्रति ात गन्ना खेतो मे ही खडा रहा। इसके कारण किसानो को तीन गुना नुकसान हुआ तथा मजदूरो

की मजदूरी मारी गइ। एक तो फसल खेतो मे खडी रही दूसरा अगले साल के लिए उस गन्ने का वजन नही रहा तथा तीसरा उस गन्ने को मिल ने इस साल कम कीमत पर खरीदा। इस नुकसान के लिए सरकार किसान और मजदूर की तुरन्त मदद करे। यमुनानगर भ्ुगर मिल बोडिंड गन्ने से कम गन्ना मिलने पर किसानो पर पैनल्टी डालती है। जैसा कि इस वर्श गन्ने की फसल पिछले वर्श के मुकाबले 50 प्रति ात से भी कम हुई है। मै सरकार से निवेदन करता हू कि वह किसानो पर पडने वाली पैनल्टी को माफ करने की तुरन्त घोशणा करे तथा किसानो को गन्ने के नये बीज उपलब्ध करवाये जाये, ताकि प्रति एकड गन्ने की पैदावार बढाई जा सके, क्योकि पुराने बीजो की उपज बहुत कम रह गई है। अतः मै सरकार से निवेदन करता हू कि वह इस सम्बन्ध मे सदन मे एक वक्तव्य दे।

वक्तव्य

कृशि मंत्री द्वारा उपयुक्र्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी

Mr. Speaker: Now I would request the concerned Minister to make his statement.

Agricultrue Minister (Shri Harpal Singh): Speaker Sir, as a result of the remunerative price of sugarcance announced by the State Government for the crushing season 1991-92, which was the highest price in the entire country, the farmer of haryana increased acreage under sugarcance

crop and the State achieved the record highest production fof sugarcane last year.

Considering the capacity of various sugar mills in the State, the Sugarcne Control Board allocates quantity of the sugarcane to be crushed in a curshing season by each Sugar Mill separately. For the crushing year 1991-92 Sugarcance Control Board allocated 165 lakh quintals of sugarcane for crushing to the Yamunangar Sugar Mill. But since the area under sugarcane crop and its total production was high in this Mill Zone, the State Government took timely action and director the Yamunanagar Sugar Mill to continue crushing operation till 30th June] 1992. The recovry percentage in the extended period came down to 7.03 percent as against 10.04 percent during the normal crushing season. The mill continued its crshing operation for 253 days which is the longest duraction for this Mill as well as for any other Mills in the State. The Yamunanagar Sugar Mills thus was able to cruch 180-05 lakh quintal as against the allocation of 165 lakh quintals. This is the record highest quanitity of sugarcane crushed by this Mill or any other Mill in the State ever.

Out of about 55200 hectare area under sugarcane crop in the Yamunanagar Sugar Mill area during 1991-92, sugarcane remained standing in the fields under 813 hectare area according to a filed to field survey conducted for this prupose. This is less that even 1-5 per field area under sugarcane last year. It is, therefore, incorrect to say that 20 percent sugarcane remained standing in the field during last year.

Since the crushing operation continued for longer duration last year and the ratoon crop did not get sufficient growth period, the sugarcane yield is marginally less this year as compared to last year, It is estimated that average yield of sugarcane in this sugarmill area during the current year is 465 quintals per hectare as compared to 525 quintals per hectare last year. Thus the shorfall in the net returns from the corp is only marginal and it is not correct to say that yield of sugarcane has gone down by one half this year.

Moreover, the farmer gets the bonding of sugarcan crop done according to his estimate of the yield of his crop and an agreement is executed between the sugarmill and the farmer in October every year. The farmer is expected to deliver 85 per cent of the beonded quantity only.

The production of sugarcane for the year 1991-92 was 525 quintals per hectare. As against tht the yield of old sugarcane crop which remained in the fields has gone up to 723 quintals per hectare due to longer growth period. Thus the assumption that the weight of old sugarcane has decreased is not correct.

As for as the question of wages of labourers is concerned, the labour chages of harvesting of sugarcane heve increased from Rs. 4-50 in 1991-92 to Rs. 5-50 per quintal in 1992-93 and Rs. 6.00 per quintal is being paid for harvesting old sugarcance. It is clear that the labourers have not suffered any loss and no incentive on this account is required.

Realizing the importance of new varicties, Scientists of Haryan Agricultural Univerity have been asked to evolve

high year yield varicties of sugarcane for the farmer of the State. Good work in this respect is being undertakne by the Haryana Agricultural University scientists. A new variety CoH 35 has been recently released and some more varieties are in the pipeline.

साथी लहरी सिंहः स्पीकर सर, जैसा अभी मंत्री जी ने बताया कि अबकी बार गन्ने की फसल 50 परसैन्ट कम नही हुई है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि अबकी बार प्रति एकड गन्ने की फसल क्यों कम हुई, क्या आप ने इसकी तहकीकात करवाई? जिन जमीदारो का पिछली बार 300 क्विटल गन्ना प्रति एकड निकल रहा था, उसक अब केवल 100 क्विटल क्यो निकल रहा है, यह हाउस को गुमराह करने वालो बात है। मै कहना चाहता हू कि मेरे हल्के मे कोई भी ऐसा किसान नही है जिसको 50 परसैट से ज्यादा गन्ना हुआ हो। दूसरे, इन्होने यह कहा कि पिछले साल किसी भी किसान के खेत मे गन्ना खडा नही रहा। लेकिन मै कहता हू कि 20 परसेन्ट जमीदारो और किसानो का गन्ना उनके खेत मे खडा रहा। इसके अलावा अबकी बार रेट भी पिछली बार के रेटस से काफी कम मिले। तीसरी बात यह है कि पहले यमुनानगर भाुगर मिल चलती थी, उसकी जो गन्ना पीडने की कैपसिटी थी उसके इस कैपेसिटी से 80 प्रति ात कम यानी केवल 20 प्रति ात गन्ना लिया। इसका क्या कारण है?

श्री हरपाल सिहः स्पीकर साहब, यह जो बात चौधरी लहरी सिंह जी ने कही है कि इस साल गन्ने की फसल अच्छी नही

थी इसमे कोई भाक नही है। पिछले साल फसल बहुत अच्छा थी। उतनी अच्छी फसल इस साल मे नही हुई है जितनी पिछले साल थी। इसका एक कारण यह है कि पिछले साल फसल ज्यादा होने के कारण भाुगर मिल्ज बहुत देर तक चलानी पडी। 30 जून तक यमुनानगर भाूगर मिल चली है जैसे मैने पहले भी एक्सप्लेन किया है कि इतने लम्बे अर्से तक गन्ना भाूगर मिले कमी नही चलती थी और इतना गन्ना कभी क्र ा नही किया गया था। जब भाूगर मिल्ज लेट चलती रही तो किसान के खेत मे गन्ना काफी देर तक खडा रहा है। इससे दूसरे साल की अगली क्राप पर असर पडा है क्याकि किसान को अगली क्राप भी बोनी होती है। गन्ने की लेट कटिग की वजह से वह फसल अच्छी नही हो पायी है इसका एक कारण तो यह है कि जितनी फसल अच्छी साल हुई थी, इस साल उतनी अच्छी नही हुई है। लेट क्रि ाग की वजह से ऐसा हुआ है। दूसरा बडा कारण यह भी हो सकता है कि क्लाईमैटीकली किसी क्राप को कंडी ान्ज सूट न करी हो। मै एक बात से सहमत हू कि हमारे किसानो ने इस वक्त जो सबसे ज्यादा वैरायटी बोयी है, वह सी0ओ0जे0 64 है। इसकी ईल्ड कुछ कम होती है। जनरली इसकी ईल्ड कम होती है। दूसरी वैराईटीज के मुकाबले मे इस सीड की ईल्ड कम है जबकि दूसरी वैराईटीज की ईल्ड ज्यादा है, परन्तु इसकी रिकवरी ज्यादा है। यह अरली वैराइटी है और इसकी अरली क्रि ाग भाुरू हो जाती है। जितनी चिन्ता हमारे साथी लहरी सिह जी का है, उतनी चिन्ता हमे भी है। हमारी कोि ा ा यह है कि इस साल ऐसी नई बैराईटीज रिलोज की जाये जिससे किसान को

लाभ हो सके। हमारी कोि ा ा यह है कि जल्दी से जल्दी इस बारे मे काम किया जाये। कुछ वैराईटीज अन्डर ट्रायल है । यूनिवर्सिटो बहुत जल्दी ही कुछ नई वैराइटीज किसानो को देने जा रही है। जिससे किसानो को लाभ हो सकता है।

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, मेरा एक तो पैनल्टी वालो बात का जवाब नही आया है। किसानो का जो गन्ना बाड होता है, वह अगर पूरा सप्लाई नही कर पाता तो मिल वाले उस पर पैनल्टी डालते है इस बारे वह माफ होनी चाहिये। इस साल गन्ने की फसल काफी कम हुई है। दूसरे लेबर की बात भी मैने कही थी कि इस जब गन्ना पूर पैदा ही नही हुआ तो लेबर को भी बहुत नुकसान हुआ है उनको कम लेबर मिली है। मेरा कहना यह है कि लेबर को कम्पनसे ान मिलना चाहिए। तीसरी बात मै यह जानना चाहता हू कि सी0ओ0एच0 35 जो नई वैराईटी इन्होने बतायी है कि यनिवर्सिटी ट्राई कर रही है, उसको कब तक इन्ट्रोडयूस करा देगे ताकि किसानो को लाभ हो सके? क्या यह वैराइटी इस साल किसानो तक पहुच जाएगी?

श्री हरपाल सिहः चौधरी लहरी सिंह जी ने तीन चार क्वै चन्ज इकटठे ही पुट कर दिए। एक बात जो इन्होने सबसे लास्ट मे कही है मै उसका जवाब सबसे पहले देना चाहूगा। इन्होने पूछा है कि क्या इस साल नही वैरायटी रिलीज कर रहे है या नही। मै यह बताना चाहता हू कि हमने नयी वैराइटी 400–500 हैक्टेयर रकबे के लिए रिलीज कर दी है और किसानो को

प्रोवाईड कर रहे है। इसकी ईल्ड भी ज्यादा है और रिकवरी भी ज्यादा है। (व्यवधान व भाोर) दूसरी बात इन्होने मजदूरो की कही।लेबर तो आजकल किसानो को मिलती ही नही है । लेबरर्ज तो बडी मु ि कल से मिलते है। पता नही चौधरी लहरी सिंह जी के पास कहा से लेंबर बेकार पडी है लोगो को तो मिलता ही नही है। (व्यवधान व भाोर)

साथी लहरी सिहः इस बार गन्ना कम होने की वजह से लेबर कम मिली है, इस लिए उनको भी कम्पनसे ान देना चाहिए।

श्री हरपाल सिहः पिछले साल गन्ना ज्यादा होने पर उन्होने पीछे कम भी तो ज्यादा लिया होगा। इस साल कम गन्ना हुआ तो कम कमा लिया। अब बराबर तो हो गया।

साथी लहरी सिंहः किसान को गन्ना बौड करवाने के बाद न देने पर जो पैनल्टी देनी पडती है उस बारे मे सरकार का क्या विचार है?

श्री हरपाल सिहः स्पीकर साहब, जहा तक पैनल्टी की बात है मै सदन को बताना चाहता हू कि पैनल्टी की अभी स्टेज नही आई है। जब पैनल्टी की स्टेज आ जाएगी तो जनबिन बात सामने आ जाएगी और हम पैनल्टी माफ कर देगे। स्पीकर साहब, किसान के हित की जो भी बात होगी, वह सरकार करने के लिए तैयार है।

खेल राज्य मंत्री (श्री राजे ा कुमार भार्मा): स्पीकर साहब, मै समझता हू श्री लहरी सिंह यह कहना चाहते है कि अगर किसान पूरा गन्ना मिल को नही देता तो उस पर पैनल्टी लगाई जाती है। अगर मिल किसान का पूरा गन्ना न उठाए तो क्या मिल पर भी पैनल्टी लगाई जाएगी?

साथी लहरी सिंह: स्पीकर साहब, मेरी रिक्वैस्ट है कि पैनल्टी को माफ कर दिया जाए।

श्री हरपाल सिंह: स्पीकर साहब, लहरी सिंह तो वैसे ही परे ाान हो रहे है। अभी तक किसी पर भी पैनल्टी नही लगाई गई है। अगर किसी पर पैनल्टी लगेगी तो हम कंसीडर करेगे।

ध्याना कर्शण प्रस्ताव

सहकारी चीनी मिल पलवल मे गन्ने की पिराई की गति धीमी होने सम्बन्धी

Mr. Speaker: Hon;ble Members, I have received a calling attention notice No. 3 from Shri Karan Singh Dalal, M.L.A regarding crushing of sugarcane at a low pace in the Cooperative Sugar Mills, Palwal. I admit it. Shri Karan Singh Dalal may read his motion.

श्री कर्ण सिंह दलाल: मै इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की और दिलाना चाहता हू सहकारी चीनी मिल पलवल गन्ने की पिराई कम हो रही है।

किसानो की अधिकतर फसल खेतो मे खडी है तथा सहकारी चीनी मिल द्वारा किसानो को पर्चिया नही दी जा रही है। सारे क्षेत्र मे इस बात को लेकर भय व्याप्त है कि कही पिछले साल की तरह गन्ने की फसल खेतो मे न जलानी पडे। इसके इलावा, किसानो को गन्ने की अदायगी भी देरी से की जा रही है। अत मै सरकार से निवेदन करता हू कि वह इस सम्बन्ध मे सदन मे एक वक्तव्य दे।

वक्तव्य

सहकारिता मंत्री द्वारा उपर्युक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी

Mr. Speaker: Now I will request the Cooperation Minister to make a statement.

सहकारिता मंत्री (श्रीमती भाकुतला भगवाडिया): अध्यक्ष महोदय, सहकारी चीनी मिल पलवल की स्थापना वर्श 1985 मे हुई थी इस मिल की प्रतिदन गन्ना पीडने की क्षमता 1250 टन गन्ना है।

जहा तक वर्तमान वर्श मे गन्ना पीडने का प्र ान है, यह कहना गलत है कि मिल द्वारा इस समय गन्ने की पिराई कम हो रही है। वर्तमान वर्श 1992–93 मे मिल से गन्ने की पिराई 10.11.1992 को आरम्भ की थी तथा दिनांक 22.2.1993 तक 105 दिनो मे 16.40 लाख क्विटल गन्ना पीडा है। मिल की क्षमता के दृश्टिगत 105 दिनों मे कुल गन्ने की पिराई 13.13 लाख क्विटल

होनी चाहिए थी जबकि मिल ने 16.40 लाख क्विटल गन्ना पीडा है, जो कि वर्तमान क्षमता का 125 प्रति ात उपयोग है। यह बात भी वि ोश उल्लेखनीय है कि आजकल मिल प्रतिदिन लगभग 1800 टन से ऊपर गन्ने की पिराई कर रही है जो कि अपनी क्षमता से लगभग डेढ गुना है।

पलवल चीनी मिल का निर्धारित क्षेत्र 32 किलोमीटर है और वर्श 1992–93 मे 12167 हैक्टेयर भूमि पर गन्न बीजा गया है। मिल क्षेत्र मे लगभग 54 लाख क्विटल गन्ने की पैदावार होने का अनुमान है जिसमे से 43 लाख क्विटल गन्ने की बोंडिग की गई है तथा बोडिड किए गए गन्ने मे से अब तक मिल ने 16.40 लाख क्विटल गन्ने की पिराई कर ली है। इस समय मिल क्षेत्र मे लगभग 25 लाख क्विटल गन्ने की फसल खेतो मे खडी है, जिसमे से 22 लाख क्विटल गन्ना बोडिड है।

यह कहना गलत है कि गत वर्श मिल क्षेत्र मे खडे गन्ने को किसानो ने जलाया था बल्कि मिल ने जितना भी बोडिड गन्ना था सारे के सारे गन्ने की पिराई की थी जिसके लिए मिल को 13 जून तक अपनी पिराई जारी रखती पडी। यह बात भी उल्लेखनीय है कि जब से इस मिल की स्थापना हुई है, मिल क्षेत्र मे गन्ने की खडी फसल को कभी नही जलाया गया।

जहात क किसानो को गन्ने की परची जारी रखने का प्र ान है पर्चियां गन्ने की बोडिग के अनुसार बांटी जाती है और

आरम्भ मे अगेती किस्म के गन्ने की पचिया दी जाती है तत्प चात मध्यम किस्म के गन्ने की पर्चियां बाटी जाती है और अन्त से पछेती किस्म के गन्ने की पर्चियां बांटी जाती है। अत इस समय गन्ने की किस्म तथा मिल की क्षमता को दृश्टिगत रखते हुए ही किसानो की पर्चिया बाटी जा रही है। पर्चियां का वितरण कमप्युटर द्वारा किया जा रहा है।

गन्ने की कीमत के भुगतान बारे ऐसे प्रबन्ध किए गए है कि 15 दिन के अन्दर अन्दर किसान को उसके गन्ने की कीमत मिल जाए। अब तक पीडे गए गन्नें की कीमत 784.50 लाख रूपये बनती है जिसमे से 601.00 लाख रूपए की अदायगी किसानो को की जा चुकी है। बकाया रा ि ा का भुगतान किया जा रहा है। गत वर्श की कीमत का कोई भी भुगतान इस समय बकारय नही है।

उपरोक्त के दृश्टिगत सरकार की और से यह आ वासन दिया जाता है कि पलवल सहाकारी चीनी मिल के क्षेत्र मे जितना भी बोडिड गन्ना है उसकी पिराई के प चात ही मिल बन्द होगी।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, अभी बहन जी ने अपने लिखित उतर मे बताया कि 25 लाख क्विटल गन्ने की फसल खेतो मे खडी है जिसमे से 22 लाख क्विटल गन्ना बौडिड है। इसका कहना गलत है । मेरी सूचना के अनुसार 35 लाख क्विटल गन्ना फसलो मे खडा है और 22 लाख क्विटल गन्ना बौडिड है।

इनकी सूचना के अनुसार पिछले वर्श डेढ करोड रूपया इस पलवल भाूगर मिल पर खर्च कियाा गया ताकि इसकी कैपेसिटी बढ सके। मै इनसे जानना चाहता हू कि इस डेढ करोड खर्च करने से पहले इस मिल की कैपसिटी कितनी थी और डेढ करोड रूपया खर्च करने के बाद प्रतिदन गन्ना पेलने की कैपेसिटी कितनी बढ गई?

श्रीमती भाकून्तला भगवाडियाः अध्यक्ष महोदय, मै अपने भाई दलाल साहब को बताना चाहती हू कि सहकारी चीनी मिल पलवल की प्रतिदिन गन्ना पीडने की क्षमता 1250 टन गन्ना है और डेढ करोड रूपया खर्च करने के बाद गन्ना पीडने की कपैसिटी मे बहुत सुधार हुआ है। और मिल 1800 टन प्रति त गन्ना पीड रही है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, उस मिल के अन्दर जो एम0डी0 लगा हुआ था, उसने कायदे कानून को बिल्कुल ही ताक पर रख दिया था। जो म ीनरी व दूसरी परचेजिंग उस द्वारा की गई थी, उसमे काफी कमी ान उस एम0डी0 ने खाया था जिसकी वजह से सरकार ने उसे तबदील कर दिया लेकिन उसके खिलाफ कोई उचित कार्यवाही नही की गई इसके क्या कारण है?

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडियाः अध्यक्ष महोदय, जहां तक कमी ान खाने की बात है, उसको तो ये लोग ही जाने। हमने तो कमी ान का नाम जिन्दगी मे कभी सुना ही नही है। यह सारा

काम तो इन्हे लोगो का है। मै वाद विवाद मे तो पडना ही नही चाहती लेकिन इनके अपने जो बडे भाई ही है, जिन्होने वहा पर चूनियन बना रखी है वही सब कुछ करवा रहे है। मै तो केवल इतना ही कह सकती हू कि वहा के जो अधिकारीगण है वे सब अच्छे है। जहा तक एम0डी0 को बदलने की बात थी इस बारे मे तो मै इतना ही कहूगी कि इन्ही लोगो ने वहा का वातावरण दूशित कर रखा था, अन्यथा समय से पहले उन्हे बदलना नही चाहिये था। इससे पहले विधानसभा मे भी यह मांग थी हमारे जो विधायक है उनकी बात मानना हमारा कत्वर्य है, चाहे, कोई विधायक पक्ष का है, चाहे कोई विपक्ष का है,। भूगर मिल पलवल पर डेढ करोड रूपया खर्च करने के बारे मे मै बता चुकी हू कि उस मिल पर इतना पैसा खर्च करने के बाद मिल की क्षमता मे काफी वृद्धि हुई है। इससे पहले 1250 टन गन्ना प्रतिदिन पीडने की कैपेसिटी थी और डेढ करोड रूपया खर्च करने के बाद कैपेसिटी 1800 टन प्रतिदिन हो गई।

प्रो0 सम्तप सिंहः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे आजकल गन्नें की पेमैट न होने के कारण किसानो की बहुत दुर्द ाा है। किसानो को गन्ने की इस वर्श की पेमैट नही हो रही है और पिछले वर्श की पेमैट भी बकाया है। किसानो की बकाया रा ि। की पेमैट न होने के कारण गन्ने की खेती आधी कर दी थी, परिणामस्वरूप लगभग आधी चीनी मिले बन्द हो गई है और आधी बन्द होने के कगार पर है। गन्ने का पेमैट न होने के कारण

किसान बहुत परे ाान है। इसके अतिरिक्त गन्ने का मूल्य खुले बाजार मे 65 रू0 प्रति क्विटल है जबकि सरकार किसान को उसके गन्ने के अधिकतम दाम 50 रू0 प्रति क्विटल दे रही है। गन्ने की कमी के कारण जो चीनी मिले गन्ना दूसरे प्रदे ाो से मंगवाती है, वह 70 रू0 प्रति क्विटल पडता है। मौजूदा सरकार ने केन क्रै ारो पर पाबन्दी लगाई हुई है और खुले बाजार मे क्रै ारो पर किसानो को गन्ना डालने नही देती है। जहा गन्ने के दाम 65 रू0 प्रति क्विटल है। मिले दूसरे प्रदे ाो से गन्ना मंगवा कर भाूगर कट्रोल बोर्ड के नियमो को भी ताक कर रख रही है। अत यदि गन्ने की पेमैट नही होती तो किसान गन्ने की खेती बिल्कुल बन्द कर देगे, जिससे राज्य की सभी चीनी मिले बन्द हो जाएगी और लगभग 300 करोड रूपए की म ाीनरी बेकार हो जाएगी। बहुत से लोग बेरोजगार हो जाएगे, इससे किसानो का भविश्य भी खतरे मे पड जाएगा। इस बात को लेकर लोगो मे बहुत रोश है। यह एक बहुत ही लोक हित का विशय है। इस बात को लेकर लोगो मे बहुत रोश है। यह एक बहुत ही लोक हित का विशय है। सरकार अपना ब्यान देकर अपनी स्थिति स्पश्ट करे।

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया: स्पीकर साहब, भाई सम्पत सिह ने कहा है कि गन्ने की पेमैट नही हो रही। मै उनको बताना चाहता हू कि किसानो को पेमैट समय पर होती है। यह बात भी गलत है कि पिछले वक्त की कोई पेमैट बकाया है। पिछले वक्त की कोई पेमैट बकाया नही है। इस वर्श की भी हमने

बहुत सी पेमैट कर दी है और भोश रा ि ा का भुगतान हम साथ कर रह है। लगभग 87 करोड रूपए की अदायगी मे से 63 करोड रूपए से भी ऊपर दिया जा चुका है, भोश 24 करोड रूपए अदायगी साथ साथ की जा रही है। इसके अलावा मै आपको यह भी कहना चाहती हू कि 150 करोड रूपए की चीनी हमारे पास बकाया है यानी 15 लाख बोरी हमारे गोदामो मे पडी है। सरकार ने 24 करोड रूपए की अदायगी करनी है। हन्होने कहा है कि दूसरे प्रान्तो मे गन्ना मंगवा कर कानून को ताक पर रख दिया गया है हमने कानून को ताक पर नही रखा।

प्रो0 सम्पत सिंहः आपने बाउडिड एरिया से बाहर का गन्ना कैसे मंगवा लिया?

श्रीमती भाकुन्ताल भगवाडियाः मै सब कुछ बता रही हू आप भाान्ति रखे। आपने कहा कि नियमो को ताक पर रख दिया हमने नियमो को ताक पर नही रखा। हरियाणा सरकार के केन कमि नर ने परमि ान दे रखी है। जो यू0पी0 से हमने गन्ना लिया, यू0पी0 प्रान्त ने हमे उसकी परामि ान दे रखी है। जो पजाब से गन्ना लिया उसकी पजाब ने परमि ान दे रखी है। भाई सम्पत सिंह जी पंजाब और यू0पी0 ये दोनो भारतवर्श के ही प्रदे ा है। हम सब मिल कर, जहा भी किसी किसाना को फायदा होता हो, फायदा देते है और यह हमारा कर्तव्य बनता है, आपका भी बनता है कि सब मिल जुल कर किसान को सहयोग दे। जहा तक आपका यह कहना है कि पजाब मे, यू0पी0 से और दूसरो

प्रदे ाो से गन्ना लिया है, इससे कोई दो राय नही है लिया है, क्योकि गन्ने की पैदावार इस वर्श हमारे यहा कम रही है। इसलिए सभी मिलो को सुचारू रूप से चलाने के लिए यू0पी0 तथा पजाब से गन्ना लिया है। यू0पी0 से लगभग 10 लाख क्विटल और पजाब से लगभग 4 लाख क्विटल गन्ना हमारे चार मिलो ने लिया है। वे मिले है जीन्द, कैथल, करनाल और भूना। अन्य किसी मिल ने बाहर से गन्ना नही लिया। यू0पी0 के गन्ने की कीमत 57 रू0 से 6 रू0 प्रति क्विटल के हिसाब से दी गई है। केवल भूना मिल ने यू0पी0 से 66 रूपये के रेट पर गन्न खरीदा है क्योकि इस मिल के क्षेत्र मे गन्ना कम था और मिल चलाने के लिए लकडी का भी खर्चा ज्यादा आता था।

श्री सतबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, भूगर मिल जो होते है, उनका जुरिसडिक ान तय होता है और भूगर केन कट्रौल बोर्ड की मीटिग मे ही किसी मिल को अधिकार दिया जाता है कि वह अपने एरिया से बाहर का गन्ना ले सकती है। अकेले केन कमि नर को कोई पावर नही है है कि किसी मिल की जुरि ाडिक ान क्रौस करके दूसरे प्रदे ा से गन्ना लाने को इजाजत दे सके। क्या यह बात कानून के खिलाफ नही है? इसके अलावा दूसरी बात यह भी है कि जो गन्ना भूगर मिल भूना, पानीपत और कैथल को पार करके लाया जा रहा है, वह दूसरे मिल की डायवरसीफिके ान करके, कम ट्रासपोर्ट्रे ान भी हो सकती है और किसानो को ज्यादा भाव भी दिया जा सकता

है ऐसा सरकार ने क्यो नही किया? इसके अलावा, पानीपत भूगर मिल की तरफ किसानो की पिछली साल की पेमैट बाकी पडी है और इस साल की भी लगभग 5 करोड रूपए की पेमैट बकाया पडी है। क्या सरकार किसानो को बकाया पेमैट एक सप्ताह के अन्दर देने का कश्ट करेगी?

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडियाः अध्यक्ष महोदय, सारे भारतवर्श मे सबसे अच्छा भाव हरियाणा प्रान्त की सरकार ने किसानो को दिया है। भाई सम्पत सिह ने एक बात यह कही कि यदि किसी दूसरे प्रान्त से गन्ना लाना होता है, तो केस कमि ानर की परमि ान लेना अनिवार्य होता है। इस बारे मे मैने पहले ही बताया है कि तीनो प्रान्तो के केस कमि ानर्ज ने परमि ान दी होगी, तभी गन्ना आया होगा सभी विधायक यहा पर बैठे है। हम कभी कोई गलत परमि ान नही देते। सारे भारतवर्श मे चाहे कही पर किसान बसता हो, उनका ध्यान रखना हम सभी का कर्तव्य बनता है और इसी बात को ध्यान मे रखते हुए तीनो प्रान्तो के केन कमि नर्ज ने परमि ान दी है ताकि हमारे भूगर मिल घाटे मे न जाऐ। अध्यक्ष महोदय, मै कादयान साहब को एक बात बताना चाहूगी कि जिस समय आपकी पार्टी की सरकार थी, उस समय उसको भूगर मिल लगाते समय बहुत सी बातो का ध्यान रखना चाहिए था, लेकिन उस सरकार ने कोई ध्यान नही रखा। किसानो को बहकाने के लिए कैथल भूगर मिल का उदघाटन केवल मात्र एक दिखावा ही था कि हमने कैथल भूगर

मिल लगा दिया। भूना भूगर मिल का ट्रबाइन उठा कर कैथल भूगर मिल मे लगा दिया और किसानो को वह भूगर मिल चला कर दिखाने के लिए उनके गन्ने का सारा रस मिटटी मे बहने दिया। कैथन भूगर मिल के उदघाटन पर लाखो रूपए खच्र किए गए और गिफट तथा खाने पर बहुत ज्यादा खर्चा किया गया लेकिन वह भूगर मिल नही चली। उस समय की सरकार ने बगैर एरिया देखे, वहा पर भूगर मिल लगा दी। क्षेत्र के हिसाब से इनको यह देखना चाहिए था कि आया वहा भूगर मिल लगानी अनिवार्य है या नही।

चौधरी बलंवत सिहं मैनाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि रोहतक भूगर मिल की तरफ किसानो का टोटल कितना पैसा बकाया है और जितना पैसा बकाया है, सरकार उसका भुगतान कब तक करने का वायदा करेगी? इसके अलावा, रोहतक भूगर मिल और मेहम भूगर मिल मे जो गन्ना लिया जा रहा है उसके भाव मे अन्तर है। रोहतक भूगर मिल मे 50 रूपए प्रति क्विटल के हिसाब से गन्ना लिया जा रहा है और मेहम भूगर मिल मे 53 रूपए प्रति क्विटल के हिसाब से लिया जा रहा है। भाव मे इतना अन्तर क्यो है जबकि दोनो भूगर मिल एक ही जिले मे है? इसके अलावा, मै यह भी जानना चाहूगका कि रोहतक भूगर मिल मे पिछले दो सालो मे कितना मुनाफा रहा और इस साल कितना घाटा है?

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया: अध्यक्ष महोदय, रोहतक भूगर मिल ने किसानो का 8 करोड 88 लाख 22 हजार रूपया देना था जिसमे से 6 करोड 9 लाख 66 हजार रूपए का भुगतान किया जा चुका है और 2 करोड 78 लाख 56 हजार रूपया बाकी है। रोहतक भूगर मिल मे इस साल लगभग 50 लाख रूपए का मुनाफा होगा।

श्री कृश्ण लाल: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया से पूछना चाहता हू कि सरकार यू0पी0 से भूना मिल के लिए जो गन्ना लायी थी, वह किस रेट पर पडा?

श्रीमती भाकुंतला भगवाडिया: 66 रूपये प्रति क्विटल।

स्थगन प्रस्ताव

एस0वाई0एल तथा यमुना कैनाल सम्बधी

Mr. Speaker: I have reveived two different Notices of Adjournment Motions-one given by Shri Sampat Singh alongwith 9 other M.L.As. and the othere given by Shri Bansi Lal alongwith 6 other M.L.As regarding S.Y.L and Yamuna Canals. Hon'ble Members, I have disallowed bothe these Adjournment Motions.

प्रो0 सम्तप सिंह: स्पीकर साहब, हम बार बार यही कर रहे है कि यह बहुत ही अहम मुद्दा है। गवर्नमैट की तरफ से जो स्टेटमैट आ रही है, वह कन्ट्राडिक्टरी आ रही है। हम यही कर रहे है कि इस नहर को बी0आर0ओ0 से यह किसी सैन्ट्रल एजेसी

से बनवाया जाये। कभी ये कहते है कि इनकी पजाब के मुख्य मंत्री बेअत सिह से बात हो रही है। पजाब की सरकार रोज नए नए इ यू खोलती है। हमार पूण्र वि वास है कि पजाब इस नहर को नही बनाएगा, हमे अपनी तरफ से पूर एफैर्टस करने चाहिए और हम भी इस मामले मे इनके साथ है। गवर्नमैट आफ इण्डिया को कहे कि बी0आर0ओ0 इस नहर को बना कर दे। उन्होने अब यमुना के पानी का एक और इ यू इसके साथ जोड दिया है। एस0वाई0एल0 के बारे मे कहते है कि रावी के पानी मे हरियाणा का कोई हिस्सा नही है। इस तरह की बाते जब पजाब सरकार कर रही है तो कैसे वे नहर बना कर आपको देगे?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, जब आपने इनको मो ान डिसअलाऊ कर दिया और सारी बहस मे इन्होने और इनके साथियो ने यही बात कही है, यानी सारी बहस मे एस0एल0 का इ यू उठाया है। अभी सी0एम0 साहब ने इस अभिभाशण पर जवाब देना है उसमे सारी बाते स्पश्ट हो जाएगी। ये बार बार खडे होकर समय क्यो नश्ट कर रहे है, यह समझ नही आता। आप इन्हे बैठने के लिए कहिए।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, यह एडजमैट मो ान हमने इसलिए दी है कि यह स्टेट की लाईफ लाईन है। यह स्टेट की रीढ की हडडी है। आज अगर पजाब के मुख्यमंत्री दिल्ली की सरकार को लिखते है कि यमुना के पानी मे हमारा हिस्सा है और रावी के पानी मे हरियाणा का हिस्सा नही है। लेकिन हरियाणा

सरकार इसका कोई जवाब नही दे रही है। ऐसे अहम मसले पर भी यह सरकार कुछ न करे, इसलिए यह बहुत ही सीरियस बात है, अहम मसला है आज दिल्ली मे काग्रेस की सरकार है, हरियाणा मे काग्रेस की सरकार है और पजाब मे भी काग्रेस की सरकार है, मेरी समझ मे नही आता कि इस मामले मे हरियाणा के मुख्यमंत्री इस हाउस को या हरियाणा की जनता को मिसलीड क्यो करते है ? ये हमें ा यही कहते है कि यह नहर एक साल मे बना देगे, कभी कहते है बी0आर0ओ0 बना रही है लेकिन आज तक तो बी0आर0ओ0 पजाब मे नहर बनाने के लिए पहुची नही है। इस सीरीयस इ यू को पजाब के मुख्यमंत्री बार बार उठा रहे है और दिल्ली की सरकार को कुछ न कुंछ लिख रहे है लेनिक उस पर हरियाणा सरकार की तरफ से अगर कोई रिएक ान न हो तो अच्छी बात नही है।

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी सारी बाते अच्छी तरह से जानतें है। मै जवाब देते समय सारी बाते कह दूगा। इनका यह कहना कि नीचे भी काग्रेस की सरकार है और ऊपर भी काग्रेस की सरकार है, तो मै इनको याद दिलाना चाहता हू कि ये दोनो जगह खुद रहे है, उस समय इन्होने यह नहर क्यो नही बनवा दी? मै तो यह कहूगा कि इन्होने ही इस का सत्याना ा किया है, अब ये किसी मुह से इस बारे मे बात कर रहे है? अध्यक्ष महोदय, उस वक्त नहर बन सकती थी, अगर ये मामले को ठीक तरह से डील करते, ठीक तरीके से लेते,

लेकिन इन्होने सारे मामले को उलझा कर सत्याना ा कर दिया। अध्यक्ष महोदय, इस मामले को ये और उलझाने चाहते है ताकि किसी वजह से यह नहर न बन जाए। जब भी यह मामला नजदीक लगता है, ये इस को और उलझा देते है ताकि कही नहर बनने का सेहरा भजन लाल के सिर पर न बंध जाए। हम आपके बताएगे कि नहर कैसे बनती है और नहर का पानी ला कर देगे, इस मे कोई भाक की बात नही है। (विघ्न)

वैयक्ति स्पश्टीकरण

श्री बंसी लाल द्वारा

श्री बंसी लालः आन ए पर्सनल एक्सप्लेने ान सर। मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि मै यहा पर भी रहा हू और वहा पर भी रहा हू और सत्याना ा भी मैने किया है। स्पीकर साहब, जहा तक मै समझता हू सत्याना ा की जड तो सारे हरियाणा मे एक चौधरी भजन लाल ही है और कोई नही है। मेरे वक्त मे एस0वाई0एल0 का पानी हरियाणा का देने का फैसला श्रीमती इन्दिरा गाधी ने किया था। इन्होने बार बार कहा कि इस नहर के निर्माण का 95 प्रति ात काम मेरे वक्त मे हुआ था, इनके वक्त मे तो केवल 5 प्रति ात काम ही हुआ होगा। आप यह बात कम्पट्रोलर एण्ड आडिटर जनरल की रिपोर्ट मे भी देखे सकते है। स्पीकर सर, मै समझता हू कि किसी व्यक्ति द्वारा जोर से बोलने से कोई कार्य नही हो सकता और न ही इनके जोर से बोलने से

हरियाणा मे नहर का पानी आ जाएगा। नहर का पानी तो हरियाणा मे तभी आ सकेगा जब ये पानी लाने के लिए, तरीके इस्तेमाल करेगे जिससे नहर का पानी आ सकता है केवल बातो से पानीनही आ सकता।

श्री अध्यक्षः चौधरी बंसी लाल जी, आपने सरपचो और पचो को कौन सी नहर दिखाई थी?

श्री बंसी लालः स्पीकर सर, मैने जो नहर बनवाई थी, वही पचो और सरपचो को दिखाई थी।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members now the discussion on Governor's Address will resume and thereafter the Chief Minister may reply.

प्रो सम्पतं सिंहः स्पीकर साहब, इससे पहले कि मुख्यमंत्री महोदय राज्यपाल के अभिभाशण का रिप्लाई दे, मै कुछ कहना चाहता हू ताकि उसका जवाब भी मुख्यमंत्री जी के जवाब मे आ जाएं। मुख्यमंत्री जी का भाशण लम्बा होगा और हम आराम से उसको सुनेगे। 24 तारीख को गवर्नर ऐड्रैस पर बोलते हुए मैने एक बात कही थी और 25.2.1993 को चौधरी बसी लाल जी ने भ गवर्नर ऐड्रैस पर बोलते हुए गुरनाम सिंह वर्सिज स्टेट के केस का हवाला दिया था। (विघ्न) इन्होने मैलाफाईड और बायस, दोनो चीजो को पढा था। सी0एम0 के अगेस्ट कैट ने फैसला दिया,

मैलाफाईड और बायस अगैस्ट गुरनाम सिह। चीफ मिनिस्टर की गुरनाम सिंह के खिलाफ मैलाफाईड व बायस साबित हो गये। उसके बाद आर्डर कैसिल कर दिय। मुख्यमंत्री जी जब चौधरी बंसी लाल जी की बात का जवाब दे रहे थे तो इन्होन साफ कहा था कि आज कोर्ट का फैसला आ गया है। यह फैसला 24 तारीख को आया होगा। उस फैसले मे 4 गवर्नमैट ने जो एस0एल0पी0 डाली थी उसके बारे मे मुख्यमंत्री जी ने बताया था कि सुप्रीम कोर्ट ने उसे मान लिया है और उसके ट्रासफर आर्डर हो चुके है और उसकी जगह पर फंला आदमी को लगा दिया गया है। लेनिक स्पीकर सर, उस आर्डर की कापी मेरे पास है मै उसको पढा देता हूं–

" After hearing Mr. Soli Sorabjee, learned Senio counsel for the pettioner and Mr. P.P Rao, learned seninor counsel for the Cavator respeondent no. 1, we find that in the peculiar facts and circumstances of the case there is no cause made out for interferecne with the order of the Central Administracive Tribunal, Chandigrh. Specil Leave Petiton is therefore, dismissed."

स्पीकर साहब, इससे फालतू हाउस की मिसलीड करने की बात कोई नही हो सकती है। एस0एल0पी0 डिसमिस हुई है। स्पीकर सर, जून महीने मे इन्होने औथ्र ली थी, उस औथ मे इन्होने यह कहा थाः–

"I Bhajan Lal do swear in the name of God that I will bear true faith and allegiance to the Consititution of Inia

as by law established, that I will uphold the sovereignty and integrity of India, that I will faithfully and conscientiously discharge my duties as a Chif Minister for the State of Haryana and that I will right to all manner of people in accordance with the Constritution and the law without fear or favour, affection or ill will."

अध्यक्ष महोदय, वायस और मैलाफाईड ये दोनो चीजे चीफ मिनिस्टर साहब, के अगैन्स्ट प्रूव हो चुकी है। अध्यक्ष महोदय, जो विधान सभा की हालत इन्होने बना रखी है और जो ये जवाब देते है। वह असत्य है। मुख्यमंत्री जी ने अपनी ली हुई भापथ को तोडा है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह बात तो आप से पहले ही कह दी है, अब दोबारा कहने से क्या फायदा है? Moreover, you had accured that you will not discuss this point bu again you are saying the same things which you had already said.

Irrigation Minister(Chaudhri Jagdish Nehra) On a point of order, Sir, I would say that he has said all these things earlier. Now I want to know how is he saying the same things again. (Noise & Interruptions)

Mr. Speaker: Sampat Singh Ji, you please take your seat. (Noise & Interruptions)

Chaudhri Jagdish Nehra: On a point of order, Sir, I want to make the position clear on the point which Mr. Sampat Singh is taking up time and again. In this connection I would like to make a submission that Shri Sampat Singh has

said evgerything on the governor's address, which he is repeating today. Now what is the use of repearting those thing. moreover so far as the Case of Shri Gurnam Singh, Vs State of Haryana in concerned, I would also like to read some papers, which I have got and to put the record straight and to counter the allegaitons levelled by Shri Sampat Singh and others about this case, the reason being that he has not read the operative part of the judgement as such. I want to being to the Knowledge of Shri Sampat Singh the first part of the Judjement, which is as under:-

"After hearing Mr. Soli J Sorabjee, learned cousel for the pettiotion near and Mr. P.P Rao learned counsel for the Caveator Respondent No. I we find that in the pecliar facts and circumstaces of the case, there is no cause made out for interference with the order of the Central Administrative Tribunal, Chandigarh"

Mr. Speaker, Sir, this is the first part of the judgment. But the operative part of this judjemnet has not been read by Mr. Sampat Singh, which I would like to read:-

"We however do not express any final opinion the wider question as to whether the post of M.D of the Corporation can be declared as equivalent or not accont of the sacnty material available on the record of this case."

"Moreover, Sir, our counsel Mrs. Indu Malhotra, has also written a letter to the Secretary to Govt. Haryana, Forest Department. In her letter she has elaboarted all these things. This I want to bring to your notice, Sir, In her letter she has

raised all the tings, I would like to read that letter, which is as under:-

"Above mentioned S.L.P was listed for hearing before Hon'ble Justice A.S Anand and Shri M.P Singh, today. Mr. Soli Ji Sorabjee, of the Senior Cousel, erstwhich attorney General of Indai appeard on behalf of the State and Shri P.P Rao Senior Advocate appeared ob behalf of Shri Gurnam Singh. The Supreme Cout heard Mr. Soli Ji, Sorabjee and the Hon'ble Cour had held that they and not inclined to interefere with the Judgment and order dated 29th January, 1993 passed by the Central Administrative Tribunal, Chandigarh O A No. 1643-Ch-91 During the Course of argument, it was argued by Mr. Soli J Sorabjee that mala fide of the Chief Minister were no made out. The Supreme Court observed that since the Trubunal had given finding that malice in fact was not made out. It was not necessary to record and observation in this regard."

सुप्रीम कोर्ट ने मैलाफाईड के बारे मे जो फैसला दिया है, उसमे चीफ मिनिस्टर जी के बारे मे कोई बात नही आई है। She has further stated that the Supreme Court did not express any final opinion on the wider questions as to whether the post of M.D of the Corporation can be declarded as equivalent or not the post of Principal Chief Conservatior of forest and we are forwarding a copy of the order of Suprmeme Court. It means the Tribunal (I.e the CAT) has also not decided about the malafide nature of the Chief Minister, they have not touched it at all. The operaive part of the judjement, which I have read, does not indicate the malafide intention of the Chif Minister.

सुप्रीम कोर्ट की जजमैट मे और कैट की जजमैट मे, सी0एम0 साहब की मैलाफाईड इन्टैन्ान के बारे मे कही भी इन्डीकेट नही किया है। इनका मकसद तो सी0एम0 साहब को इसमे इन्वालब्ड करना था, ऐसा करके ये ऐक्सटरा माईलेज लेना चाहते है। अध्यक्ष महोदय, जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ गया और श्रीमती इन्दू मल्होत्रा ने भी अपने लेटर मे लिख दिया है कि सी0एम0 साहब को मैलाफाईड के बारे मे इडीकेट नही किया है। ये तो ऐसे ही ही भाोर मचा रहे है और ये वाकआऊट करना चाहते है। There fore we requst that they should be contained. If the highest apexcourt has given any decision, it is binding not only on us, but also is is binding on everybody. But there is no question of any such thing. (विघ्न)

प्रो0 सम्पतं सिंहः स्पीकर साहब, मै कुछ कहना चाहता हू (विघ्न)

श्री अध्यक्षः सम्पत जी, आपने आपने अपनी बात कह ली है अब उनको भी कह लेने दे। आप सब बैठिये।

प्रो0 सम्पतं सिंहः स्पीकर सर, मै यह कह रहा था कि नेहरा साहब ने अभी इस केस का जिकर किया और यहां पर इन्दू मल्होत्रा का लैटर पढकर सुनाया है। स्पीकर साहब, यह इनके कौंसिल का ब्यान है, सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला है, वह नही है। कौंसिल तो अपने अपने आदमी की है वकालत करेगा। सौली सौराबीज जो इनका कौसिल था, ने आनरेबल जज के सामने यह

कहा कि आपने जो मैलाफाईडी और वायम के स्ट्रीक्चर पास किये है, वे अगर इससे हटा दे तो हम इस आदमी को टच नही करेगे। तक कोर्ट ने कहा कि यह जुडीि ायरी का फैसला है, इसमे से इस बात को हटाने का मतलब ही नही है। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः उन्होने कहा कि इसमे कोई मेला फाईडी नही है।

प्रो0 सम्पत सिहः जब एस0पी0 ही डिसमिस हो गयी है फिर क्या कोई कवै चन ओपन रह गया है? पोस्ट ईक्वल है या नही, यही एक सवाल ओपन है, और कोई सवाल कोर्ट ने ओपन नही छोडा है। इसके अलावा जहा तक उनके ट्रासफर आर्डर की बात है रेस्पोन्डैन्ट नम्बर तीन के खिलाफ जो डाईरैक्ट इल्जाम लगाए गये है, वे स्टैन्ड करते है। स्पीकर सर, जो इन्होने जुन के महीने मे औथ ली थी, वही मैने इनको पढकर सुनाई है। सर, इन्होने औथ को वायलेट किया है, इसलिए इनको फौरन, मोरल और लीगल ग्राउडस पर, रिजाईन कर देना चाहिए क्योकि इससे फालतू बात और कोई नही हो सकती। (विघ्न)

Chaudhari Jagdish Nehra: This is nothing, Sir. You have alos heard this things. आप खुद इस बात को मान रहे है वहा पर .....(विघ्न)

Mr. Speaker: Nehra Sahib, please take your seat. No more discussion on this matter now.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मुझे ऐसा लगता है कि यह आज फिर वाक आऊट करके जाएगे। मुझे इनकी भागने की सलाह दिखती है।

श्री अध्यक्षः ऐसा लगता है कि आप वाक आउट करना चाहते है।(विघ्न)

श्री सतबीर सिह कादयानः .....(विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप इनको बैठाईये। इसमे कुछ भी स्ट्रीक्चर पास नही किए गए है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मैलाफाईडी नही है, कोई करप्ान की बात नही है। ट्रासफर के मामले मे हम ठीक है, हमने स्टेट चलानी है, आप क्यार बात करते हो(विघ्न) ट्रासफर के मामले मे हम डरेगे नही आपसे। आप अपने स्वार्थ के लिए बात कह रके है।

श्री सतबीर सिह कादयानः .....(विघ्न)

श्री अध्यक्षः जो इन्होने कहा है कि वह रिकार्ड न किया जाए (विघ्न) कादयान साहब, आप बैठिये।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, सदन के सामने जब इनता अहम मसला आ जाता है तो उस पर सदन मे पूरी तौर से डिस्कान होनी चाहिए। अभी लीडर आफ दि अपोजीान ने सुप्रीम कोर्ट का फैसला पढा और फैसले मे जो उन्होने पढ कर सुनाया, उसकी 4–5 लाइने है। उन्होने यह कहा है–

After hearing Mr. Soli J Sorabjee, learned cousel for the pettiotion near and Mr. P.P Rao learned counsel for the Caveator Respondent No. I we find that in the pecliar facts and circumstaces of the case, there is no cause made out for interference with the order of the Central Administrative Tribunal, Chandigarh Special leave Petition is therefore, dismissed"

अध्यक्ष महोदय, सुप्रीम कोर्ट के जजिज ने बडे गौर से इस फैसले को पढा है और यह कहा है।

"That in the pecluiar facts and circumstances of the case"

Peculiar Circumstances created by whom? By the Chief Minister. So far as this case is concerned, Mr. Nehra says that this question is open. There is no quesion of this case being opened. The Special leave Petition was against the transfar only and that has been dismissed by the Supreme Court. The Write Petition was allowed by the CAT and upheld by the Supreme Court. They connot even tranfer him. What the CAT says-

"To our mind the time tested adage that men may lie but the circumstance may not lie can justifiably be invoked in this case. We are also of the consdered view that the foregoing facts and circumstacnces taken cumulativly amply justify the reasonalbe interferences of malafide and bias. Ground No. (I) urged by the learned cousel for the applicant is thus held to be well founded."

Mr. Speaker Sir, in Ground No. I it is written that-

"Impugned order has been passed with sheer malfide intention on the part of Shri Bhajan Lal, Chief Minister, Haryana Respondent No. 3 who is prejudiced as well as biased against the applicatnt."

इसलिए अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी को एक मिनट भी मुख्यमंत्री बने रहने का अधिकारी नही है। मुझे तो ताज्जुब है कि दिल्ली की सरकार या दिल्ली की काग्रेस की हाईकमान कर क्या रही है? इससे लाईट स्ट्रिक्चर और क्या हो सकता है। आध्रप्रदे ा के मुख्यमंत्री के खिलाफ ऐसा केस था, उसकी छुटटी कर दी, लेकिन इससे क्या खु ाबु आती है। जिसके कारण इनको अभी तक बैठा रखा है। मै समझता हू इनको बैठे रहने का कोई अधिकार नही है।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह कुछ साल पहले महाराश्ट्र के एक मुख्यमंत्री के खिलाफ एक जजमैट मे आया था कि उसकी लडकी के इम्तिहान की जो अनुसार बुक है, उनकी मार्किग हुई यह बुकिग चीफ मिनिस्टर की कानाईवेस के बगैर नही हुई थी तो उनको भी इस्तीफा देना पडा था। इसमे तो कोर्ट ने एक जगह नही, दो तीन जगह यह होल्ड किया है चीफ मनिस्टर ने जो मेलाफाईड एक ान किया है, अध्यक्ष महोदय इसके बारे मे मै इसका दूसरा पैरा पढकर सुनाता हू। (विघ्न)

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर सर, आन ए प्वायट आफ आर्डर।

श्री अध्यक्षः नेहरा साहब आप बोलिए।

श्री बंसी लालः स्पीकर सर, मुझे तो अपनी बात पुरी कर लेने दे।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर सर, इनकी बात पूरी हो चुकी है। इसके बाद क्या प्वायट आफ आर्डर नही उठा सकता? उठ सकता है।

16.00 बजे

स्पीकर साहब, जो बात चौधरी बंसी लाल ने यहा पर कही है, वह सारी बाते उन्होने अपनी पैटो ान मे कही है। बात साफ थी जो भाायद इनकी समझ मे नही आयी। जो बात थी वह यह थी कि प्रिसीपल चीफ कजंर वेटर को एम0डी0 की पोस्ट पर ट्रासफर करने की थी। वे कैट मे चले गये यानि चण्डीगढ एडमिननिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल मे वह चले गये जो पेटि ानर है, वह मैलाफाइड लगाता है।When someone goes to the court he pleads his case and he can level malafids. He can say so many things in his petition. मैलाफाईड का चार्ज लगाये बगैर पैटी ान बनती ही नही।The Central Administrative Tribunal said that the order was not good. यदि यह पैटी ान मे चले गये और वहा पर जजमैट के आपरेटिव पार्ट मे चीफ मिनिस्टर के अगैस्टट कुछ मैलाफाईड प्रूव कर देते, then it would have been a different way. The judgment is itself a speaking judjement. In that transfar has not been quashed. It means the things remain as

it were there which the Government already has done. तो इस बात पर मैलाफाईडी कहना और मुख्यमंत्री पर इलजाम लगाना और यह कहना कि कैट ने यह कह दिया और सुप्रीम कोर्ट ने यह कह दिया, ठीक नही है ये तो साईड ट्रैक करने के लिए इ ू को कम्पलीकेट कर रहे है और हाउस का टाईम बेस्ट कर रहे है, Other wise there is no justification if the Supreme Court would have said anything against the Chief Minister, do you think the Chief Minister will remain? You are talking about pleadings. Anybody can plead anything. There is nothing in that operaive part. Not even a single word has been said against the Chief Minister. You are blaming the Chief Minister on the baisis of pleadings. (Interruptions)

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, नेहरा साहब ने कहा है कि यह तो प्लीडिगंज है जो मैने हाउस मे पढी है। उसका कहना यह है कि मैने पैटी ानर की प्लीडिग्ज पढ कर सुनाई है और उनका यह भी कहना है कि कैट का फैसला नही है।मै यहां पर कैट के फैसले के पेज 26 पैरा 18 मे से कोटा करता हू। अदालत मे यह लिखा है–

"To our mind the time tested adage that men may lie but the circumstance may not lie can justifiably be invoked in this case. We are also of the consdered view that the foregoing facts and circumstacnces taken cumulativly amply justify the reasonalbe interferences of malafide and bias. Ground No. (I) urged by the learned cousel for the applicant is thus held to be well founded." (Interruptions)

(इस समय श्री अमर सिह बोलने के लिए खडे हो गए)

Mr. Speaker: Amar Singh Ji, I am standign. I am on my legs, please sit down.

श्रम एवम रोजगार राज्य मंत्री (चौधरी कृश्ण मूर्ति हुडडा): स्पीकर सर, यह सदन का टाईम वेस्ट कर रहे है। (व्यवाधान) यह जानबुझ कर हाउस का टाईम वेस्ट कर रहे है। यह मुख्यमंत्री महोदय का जवाब सुनना नही चाहते। (व्यवाधान व भाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह जानबुझकर लेट करना चाहते है ताकि इनके बारे मे मै जो कुछ कहना चाहता हू और इनके जो करनामे हम बताने चाहते है, वह पेपर्ज मे न छपे। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने एक बात कही। (व्यवाधान व भाोर)

स्पीकर सर, यह आर्मी की किताब छपी है, यह मै पढ देता हू। इसमे लिखा है

The present day Nadir Shah

"I want Lt. Col Sukjji Singh to be dismissed form service straight away."

और उसकी फांसी लगा दो, दिन निकलने से पहले ही। इस किताब मे फोटो देकर छापा हुआ है। (व्यवाधान व भाोर) यह किताब हम आपको नही देगे, यह ब्रिगेडियर मनमोहन भार्मा ने लिखी है। इसमे आगे लिखा है (Interruptions)

Chaudhri Jagdish Nehra: The present Day Nadir Shah' is the heading of this bood. I will quote here some lines form this book as under:-

"I want Lt. Col Sukjji Singh to be dismissed form service straight away boomed Shri Basni Lal the Raksha Mantry and hunf off. The recipient of the message, Lt. Gen. A.M Vohra, the VICE Chief was aghast for a while and then called his Military Assisatant, Major Kunchuria to get a thorough briefing on this matter."

This is was the day in 1975-76, when he was the then Defence Minister in Government of India. He has said this thing against a Lt. Colonel without hearing, without listening, without giving notice, without saying anything and without and writitng, when court marshal system is there and the military officers can take action. But marshal system is there and the miliatary officers can take action. But the Minister himself says he should do this thing. It means that they have written himself says that he should do this thing. It means that they have written agaisnt a Defence, Minister and at this time he was a Nadir Shah and that is why they have written their reminiscence when they have retired. Mr. Brigadier. He has written his reminiscence When he was in secvice and he has quoted Ch. Bansi Lal, the Defence Minister, Government of India as Nadir Shah, because he was giving wrong order which was neither legal nor with equity based and justification. They are talking regarding those neither things which are nor relecvant to the context of the Assembly Session. My submission is this. कि स्पीकर साहब, यह बार बार जिस पैराग्राफ को लेकर खेड हो जाते है, इस बातो से

मुख्यमंत्री का ट्रांसफर करने से कोई ताल्लुक नही है। क्या इन्होने इससे ज्यादा और गलत ट्रासफर नही किए। मै बंसी लाल से पूछना चाहता हू कि क्या इन्होने इससे भी ज्यादा और गलत ट्रासफर नही किए। (विघ्न) अगर चीफ मिनिस्टर ने एक ट्रासफर कर दी, तो क्या इन्होने कोई गलत काम कर दिया और जो ट्रासफर किया वह मैलाफाइडी था? (ाोर एवम व्यवधान) We are doing hundreds of transfers every day and if was are guilty then you both are the victims and you both are culprits and your are already guilty. Obviously, you are saying y ourself that this is irrelevant to the context. My submission is this, Speaker Sir that they are creating only this type of scence so that the Chief Minister when he wants to speak against them and he is having documentary evidence regarding their allegations and counter allegations, is not allowed to speak and interrupted time and again. So my submission is this that they should not be allowed to stail the procedings of the House or the Chief Minister from speaking Actualay, things which he will say against them, they do not want to listen them. They are creating this type of scene, So I will request you---------- (Interruptions)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

श्री बंसी लाल द्वारा

श्री बंसी लालः आन ए पर्सनल ऐक्सप्लेने ान सर। स्पीकर साहब, श्री नेहरा ने और मुख्यमंत्री ने किताब पढकर सुनाई कि जब मै डिफैन्स मिनिस्टर था तो मैने एक कर्नल के बारे मे

ऐसा कहा। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात कहना चाहूगा कि जहां तक मुझे याद है, एक लैपटिनेट कर्नल ने, मेरे आफिस मे एक गजेटिड औफिसर के सामने, मेरे एक अधिकारी को, जो सरदार प्रताप सिह कैरो के पुराने पोलिटिकल सैक्रेटरी महेन्द्र सिंह पन्नु होते थे, उसको मां बहन की गाली दी, उसकी बेइज्जती की और उसको पीटा।

मैने अपने एक गजेटिड आफिसर, जिसके सामने यह हुआ, के ब्यान लेकन उस लैफटीनैन्ट कर्नल को ससपैन्ड कर दिया जिसका मुझे अधिकार था। इसके विरूध अगर वह आफिसर अदालत मे गया होगा और अदालत ने अगर कोई फैसला दिया होगा या मेरे खिलाफ कोई स्ट्रीक्चर पास किया होगा, तो ये मुझे दिखा दे। मै मान लूगा, लेकिन ऐसा कोई बात नही है। वह अफसर मेरे से माफी मांग कर के गया, फिर मैने उनको रि इस्टेट किया। अध्यक्ष महोदय, जहा तक फैसले का सवाल है, एक और फैसला मुख्यमंत्री महोदय जी के खिलाफ जाता है जिसमे सुप्रीम कोर्ट ने लिखा है।

"Except observing that the complainant has initiated into the motion alleging serious allegation against Ch. Bhajan Lal who was then holding a Cabinet Rank in the Central Government, may become liable for criminal and civil liabilities, in case the allegaitons are not proved. Whatever minght have the motive for withdrawal of his complaint, he after haveing fought the case upto the Supereme Cout level, in quashing the proceedings, have justification adn requesting

the investigating officer not to proble the case further" he staged a walk out of the court (Noise & Interruptions)

On the other hand, he ought to have maintained the disciplince of the Court but he staged a walk out.

श्री अध्यक्षः चौधरी बसी लाल जी, आप तो पर्सनल एक्सप्लेने ान देने के लिए खडे हुए थे। यह आप क्या छेड बैठे है? (ाोर)

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मै ठीक कर रहा हू कि जो धर्मपाल आज चेयरमैन खादी बोर्ड का बना बैठा है, उसे तो धारा 211 के तहत जेल मे होना चाहिए था। यह मै नही कर रहा, यह तो सुप्रीम कोर्ट की आबजर्वे ान है। यह किसी छोटी मोटी कोर्ट की आवजर्वे ान नही है, यह अपैक्स कोर्ट के आबजर्वे ान है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है कि मै ग्राऊड नम्बर वन के बारे मे बताना चाहता हू। स्पीकर साहब, जो कम्पलेनेट है उसने जो अपना ग्राऊ नम्बर वन दिया है, उसमे कैट ने कहा है कि ग्राऊड नम्बर बन इज वैल फाऊडिड 1 ग्राऊड नम्बर वन जो है, वह क्या था।

"Impugned order has been passed with sheer malafide internticre on the part of Shri Bhajan Lal' Chief Minister, Haryana Respondent No. 3, who is prejudiced as well as biased agaist the applicant."

स्पीकर सर, वह ग्राउड नम्बर वन था जिस ग्राउड पर उसने मैलाफाइडी और बाउस की बात कोर्ट मे डाली। इसका मतलब यह हुआ कि इस ग्राउड के अनुसापर मलाफाइडी और बाउस ऐटीचुएट स्टैड करता है। किस किस ने कितनी कितनी ट्रासफर की, किनती गलत की, कितनी सही की, यह तो सब करते ही है, इस बात पर हम नही जाते किसीने पोलिटिकल बेसिज पर की होगी, किसी न किसी और बेस पर की होगी, चाहे हजारो, ट्रासफर्जे की हो, हम इस बात पर नही जाते, लेनिक यदि सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट किसी व्यक्ति वि ोश के खिलाफ अगर स्ट्रिकचर पास कर दे तो पता चलते है कि कौन आदमी, किस तरीके से अपना काम कर रहा है? स्पीकर सर, यह सरकार बडी बुंरी तरह से घेरे मे घिरी हुई है। क्योकि जिनते इन्होने जवाब दिए थे, वे सारे असत्य पर आधारित थे। जब वे बोल रहे थे तो हम भी महसूस करते थे कि वे बडे ही काफीडैस बोल रहे है। हमे यह भी फील हुआ कि भाायद उनकी बाते सच्ची है लेकिन जब हमे आर्डर की कापी मिली तब पढ कर हमे हैरानी हुई कि ये चीफ मिनिस्टर अपनी चमडी बचाने के लिए किस तरह से हाउस को मिस लीड कर रहे है। स्पीकर सर, जब फैसला आया, तब इनकी मैलाफइडी इटैन् ान का पता लगा कि इनकी इन्टैन् ान क्या थी। तो स्पीकर सर, जिस आदमी के खिलाफ इस तरह के चार्जिच साबित हो जाए, उसे एकदम ही रिजाइन कर देना चाहिए ताकि दूसरे राज्यो के लोग भी इनकी एग्जाम्पल को फाली करे। स्पीकर सर, जिस तरह से तामिलनाडु, महाराश्ट्र और कर्नाटक मे हुआ,

उसकी एग्जामपल को इनको भी फाली करना चाहिए और रिजाइन कर देना चाहिए। इसी तरह से पजाब मे सरदार प्रताप सिंह कैरो ने भी किया था। यदि ये रिजाइन नही करते तो मौरली ये चीफ मिनिस्टरि ाप के लायक नही है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जो, अब आप बैठिए। आपका प्वायट आफ आर्डर खत्म हो गया है। आप तो काफी बोल चुके है। (ाोर)

श्री सतबीर सिह कादयानः स्पीकर साहब,.....
.....

श्री अध्यक्षः जो मेरी परमि ान के बिना खोला जा रहा है वह रिकार्ड न किया जाए। अब चीफ मिनिस्टर साहब बोलगे।

सदस्यो का नाम लेना

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय पिछले चार दिन से राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बहस चल रही है (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हम चाहते है कि चीफ मिनिस्टर साहब को रिजाइन कर देना चाहिए और काग्रेस लैजिस्लेचर पार्टी को नय नेता चुन लेना चाहिए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः काग्रेस लैजिस्लेचर पार्टी अपनी बात जानती है, आपके कहने की कोई जररूत नही, आप अपनी पार्टी को

सम्भालिए। (व्यवधान) मै आप को वार्न करता हू कि अगर आप दोबार इस तरह खडे होकर बोलेगे तो मै आप को नम कर दूगा।

(प्रो0 सम्तप सिंह अध्यक्ष महोदय की वार्निग के बावजूद भी बोलते रहे।)

Mr. Speaker: Sampat Singh Ji, I name you. You may leave the House.

(The non. Member did not leave the House and continued speaking)

Mr. Speaker: Marshall, take him out of the House with the aid of the watch and ward staff. (Interruptions)

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

(Shri Satbir Siungh Kading also rose to speak and continued speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I also name Shri Satbir Singh Kadian. He may leave the House. (Interruptions)

(The hon' member did not leave the House and continued speaking)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the watch & ward staff.

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

(Shri Dhirpal Singh started speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: Dhirpal Singh Ji, I name yoy. You may leave the House. (Interruptions)

(The hon' member did not leave the House and continued speaking)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the watch & ward staff. (Interruptions)

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

(Shri Ramesh Kumar started speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Shri Ramesh Kumar. He may leave the House.

(At this Stage, Shri Ramesh Kumar withdrew from the House.)

(Shri Balwant Singh Maina rose to speak and contiuned speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: Balwant Singh Ji, I name yoy. You may leave the House. (Interruptions)

(The hon' member did not leave the House and continued speaking)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the watch & ward staff. (Interruptions)

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

(Shri Krishan Lal rose to speak and contiuned speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Shri Krishan Lal, He may leave the House.

(The hon' member did not leave the House and continued speaking. (Interruptions)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the watch & ward staff. (Interruptions)

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

(Shri Amar Singh Dhanday roseto speak and contiuned speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Shri Amar Singh Dhanday. He may leave the House.

(The hon' member did not leave the House and continued speaking. (Interruptions)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the watch & ward staff. (Interruptions)

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

(Ch Zile Singh roseto speak and contiuned speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Ch Zile Singh. He may leave the House.

(The hon' member did not leave the House and continued speaking. (Interruptions)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the watch & ward staff. (Interruptions)

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

(Shir Bharath Singh rose to speak and contiuned speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Shir Bharath Singh. He may leave the House.

(The hon' member did not leave the House and continued speaking. (Interruptions)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the watch & ward staff. (Interruptions)

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

(Shir Jaswinder Singh rose to speak and contiuned speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Shir Jaswinder Singh. He may leave the House.

(The hon' member did not leave the House and continued speaking. (Interruptions)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the watch & ward staff. (Interruptions)

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

(Shir Mani Ram (Darba Kalan) rose to speak and contiuned speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Shir Mani Ram (Darba Kalan). He may leave the House.

(The hon' member did not leave the House and continued speaking. (Interruptions)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the watch & ward staff. (Interruptions)

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

(At this stage Shri Jai Pal Singh rose to speak and contiuned speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Shri Jai Pal Singh. He may leave the House.

(The hon' member did not leave the House and continued speaking. (Interruptions)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the watch & ward staff. (Interruptions)

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

(Shri Ram Katwal rose to speak and contiuned speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Shri Ram Katwal. He may leave the House.

(The hon' member did not leave the House and continued speaking. (Interruptions)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the watch & ward staff. (Interruptions)

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

(Shri Daryao Singh rose to speak and contiuned speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Shri Daryao Singh. He may leave the House.

(The hon' member did not leave the House and continued speaking. (Interruptions)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the watch & ward staff. (Interruptions)

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री और इनके साथी कह रहे है कि इनके खिलाफ कोई मैलाफाइडी होल्ड नही की गई। आप जजमैट का पैरा और 18 पढ कर देखे पैरा 18 को मैने पहले ही पढ कर सुना दिया है। पैर 16 मे लिखा है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः क्या आप दोबारा पर्सनल एक्सप्लेने ान दे रहे है?

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, पर्सनल एक्सप्लेने ान तो मै पहले ही दे चुका हू। इस जजमैट के पैरा 16 मे क्या मैलाफाइडी होल्ड की है, वह मै पढ देता हू। इसमे लिखा हैः—

" It is stating the obious that each case of malafide has to be considered in the light of the facts and citcumstances obtaining in a particular case and that there is no straight jacket formula for deciding the question of malica

and bias. The background set out herein above and relied upon by the learned counsel for the applicant cannot be lightly brushed aside"

श्री अध्यक्षः चौधरी बंसी लाल जी, आप पहले इनका जवाब तो सुन लीजिए।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, सबसे पहली बात तो यह बहुत जरूरी है कि चीफ मिनिस्टर की छुटटी होनी चाहिए, इनको चीफ मिनिस्टर बने रहने का कोई अधिकार नही है। (विघ्न) जब इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट तक मैलाफाइडी होल्ड हो गई तो इनको चीफ मिनिस्टर रहने का कोई अधिकार नही है और इनको जाना पडेगा। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, क्या आपने भी वाकआउट करना है?

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री को एक मिनट भी इस कुर्सी पर बैठने का अधिकार नही है। (विघ्न) ये इस योग्य नही है कि इस कुर्सी पर बैठे रहेगे। (विघ्न) इनका जनता के प्रति यदि कोई मौरल औबलिगे ान है तो रिजाईन कर देना चाहिए। अगर रिजाईन नही करते तो प्रधान मंत्री जी को चाहिए कि इन्हे डिसमिस करे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह जी, जिस दिन बोल रहे थे तो मुख्यमंत्री जी कह दिया था कि यह मामला सबजुडिस है इसलिए इसको डिसकस नही किया जा सकता। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप वही बाते बार बार रिपीट क्यो कर रहे है? ये बाते तो आपने पहले ही कह ली है। (व्यवधान)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, आप इनसे कहिए कि ये इस्तीफा दे दे। (व्यवधान)

आबकारी एवम कराधान मंत्री (श्री ए0सी0 चौधरी): अध्यक्ष महोदय, प्वायट आफ आर्डर, मै आपसे एक स्पैसिफिक रूलिग चाहूगा कि जब आपने एक पटिैकुलर काज के लिए आनरेबल मैम्बर को बोलने के लिए इन्वाईट किया कि अगर वे पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहते है तो दे सकते है otherwise the chapter is closed. पर्सनल एक्सप्लेने ान तो ये दे नही रहे और जो कुछ बोल रहे है, उसकी दोबार रैपीटी ान कर रहे है। इस बारत मे मै आपकी रूलिग चाहता हू कि क्या वे ऐसा कर सकते है?

श्री अध्यक्षः दोबार रैपीटी ान करने की इजाजत नही हैं। With my permission, he can speak and every body can speak also. वैसे इन्होन सब बाते कह ली है और अब चीफ मिनिस्टर साहब अपनी बाते कहेगे। चौधरी बंसी लाल जी अब आपके बोलने की इजाजर नही है, आप बैठिए।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, हकीकत यह है कि..... (व्यवधान)

Mr. Speaker: Nothing to be recorded without my permission. (Interruptions)

Shri Bansi Lal: .....

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन सभी ने वाक आउट करना है क्योकि ये अपने खिलाफ कुछ सुन नही सकते। (व्यवधान) इनके बारे मे मै पूरा पुलिन्दा बांध कर लाया हूं मै इनकी थोडी सी हिस्ट्री सदन मे बताना चाहता हू लेकिन ये कुछ सुनना ही नही चाहते। (व्यवधान) इन्होने अपने जीवन मे क्या क्या का रना मे किये है, लोगो ने इनके बारे मे क्या क्या कहा है, क्या क्या जनरलो ने कहा है, क्या क्या भााह कमी ान ने कहा है और क्या क्या किताब कहती है। (व्यवधान)

(इस समय चौधरी बंसी लाल बिना चेयर की इजाजत से बोलने ही रहे।)

Mr. Speaker: Chaudhary Basi Lal I name you. (Interruptions)

(इस वक्त श्री कर्ण सिंह दलाल स्पीकर साहब के बैल के पास आ गए और बोलना भाुरू कर दिया)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आपने जो कुछ कहना है अपनी सीट पर जा कर कहिए।

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

Mr. Speaker: Dalal Sahib, I name you also. You may leave the House.

(The hon' member did not leave the House and continued speaking. (Interruptions)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the watch & ward staff. (Interruptions)

(At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff, took the hon'ble member, out of the House.)

(At this stage Shri Bansi Lal started speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: Chaudhari Bansi Lal Ji, You have also been named earlier. You may please leave the House.

(At this stage Shri Bansi Lal withdrew form the House.)

(Shathi Lehri Singh started speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speaker: Chaudhari Bansi Lal Ji, You have also been named earlier. You may please leave the House.

(At this stage Shri Bansi Lal withdrew form the House.)

(Shri Amar Singh also started speaking without permission of the Chair.)

Mr. Speker: Amar Singh Ji, since you are also speaking without permission you are also named. You may leave the House)

(At this stage Shri Amar Singh Ji, withdrew form the House.)

Mr. Speaker: Now the Chief Minister may please Continue his speach.

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, पिछले 4 दिन से महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बहस चल रही है। आपको याद होगा, मैने उस दिन कहा था कि इनकी सारी बातो को हम सदन मे भाान्ति से सुनेगे लेकिन मुझे बहुत दुख से कहना पडता है कि इन्होने बेबुनियाद और बिना किसी आधार के हर किस्म के आरोप लनाने की कोि ा ा की। मैने एक रिक्वैस्ट की थी कि हम इनकी सारी बातो को भाान्ति से सुनैगे, लेकिन मेहरबानी करके जिस दिन मै जवाब दू उस दिन से हाउस के अन्दर बैठ कर मेरी बातो को भी भाान्ति से सुने। स्पीकर सर, जानबूझ कर एक प्लानिग के तहत ये वाकआउट करना चाहते थे और इन्होने इस प्रकार का व्यवहार किया जिसके कारण मजबूर होकर आपको उन्हे नेम करना पडा। इस बहस को पूरा सुनने के लिए वे सामने बैठते और मै इनकी सारी बातो का जवाब इनके सामने देता लेकिन ये लोग पहले ही प्लानिग करके आए थे कि इन्हौने वाक आउट करना है। इनीक सारी हिस्ट्री मेरे पास है और

ये उसको सुनने की हिम्मत नही रखते है। प्रदे ा के अन्दर इन लोगो ने क्या हालात पैदा कर दिए है, यह आप जानते है। जो आरोप इन्होने लगाए है, मै इनको पूरा जवाब देता और इनकी सारी बातो का डिटेल मे जवाब देता, लेकिन अध्यक्ष महोदय, मुझे बहुत दुख है कि वे हाउस मे नही बैठे है। अध्यक्ष महोदय, इन लोगो ने कहा उसका कोई अर्थ नही है, कोई मतलब नही है। इन बातो का कोई आधार नही है। इस प्रकार से इन लोगो ने प्रदे ा के साथ धोखा किया, इसका मतलब यह है कि इनकी बातो मे कोई वजन नही है। अगर हम चाहते तो इनको बोलने नही देते, जो भी बोलता, बीच मे खडे हो जाते लेकिन यह अच्छी बात न होती। हमने इनकी सारी बाते भाान्ति से सुनी। इनके जमाने मे क्या होता था, वह भी सबको मालूम है। सरकार के काम से कोई त्रुटि हो तो वे उसको हमारे सामने लाते ताकि हम उसको ठीक कर सकते। स्पीकर साहब, बहुत से महानुभावो ने अच्छी बाते भी कही, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने बहुत अच्छे सुझाव दिए। मै उनका आदर करता हू, उन्होने बहुत अच्छी बाते कही। चौधरी सम्पत सिह और चौधरी बसी लाल जी ने भी कुछ बाते अच्छी कही। हमारी तरफ के लोगो ने भी कुछ बहुत अच्छी बाते कही और बहुत से साथियो ने सरकार की तारीफ की, मै इन सब का धन्यवाद करता हू।

स्पीकर साहब, छाज तो बोल ही बोल, लेकिन छलनी भी बोल, जिसमे सैकडो सुराख है? जो इल्जाम इन्होने लगाए है,

उसके बारे मे मै कहना चाहता हू। सबसे पहले कहा गया कि गुडगाव मे गलत रजिस्ट्री हो गई, इसमे इनके बेटो का हाथ है। अगर ये सामने बैठे होते तो मै उनके सामने जवाब देता तो पता चलता है कि कौन सही है और कौन गलता है। अध्यक्ष महोदय, इस केस की कहानी मे बताना चाहता हू (विघ्न) जो प्रदे ा के हित की बात है, वह भी आएगी। जो बाते उन्होने कही, उनका तो जवाब देना ही पडेगा क्योकि प्रैस से छप गई है और अगर हम जवाब ने दे तो हमारी बात नही आएगी। अच्छी बात तो यही होती है कि मै सारी डिटेल उनके सामने बताता। उन्होने मेरे बेटे का जिकर किया, या तो मै मन्दिर मे बडते या भजन लाल मन्दिर मे बडता तो बात जमती और लोगो को पता लगता कि कौन सही है और कौन गलत है। अध्यक्ष महोदय, अब हम अपनी बात किससे कहे?

श्री अध्यक्षः वे अखबार मे पढ लेगे।

चौधरी भजन लालः उनकी बाते अखबारो मे छपी है, अगर हमार व र्ान न आए तो अच्छी बात नही है। मै बहुत ज्यादा नही कहूगा, कुछ प्वायट ही कहूगा। अगर वे सामने बैठे होते तो मै उनसे बात करता। अध्यक्ष महोदय, इस केस के बारे मे मेरे पास रिपोर्ट आई थी कि 3 एकड के करीब जमीन की गुडगांव मे गलत रजिस्टर हो रही है तथा गलत मुखतारनामा दिया गया है। मैने उसी वक्त डिप्टी कमि ानर को बुलाया और कमि ानर ने बाकायादा इस केस के बारे मे यह इन्कवायरी करके चिटठी लिखी

है। कमि ानर ने यह कहा कि उसे इस केस की प्रारम्भिक जांच करने के आदे ा मुख्यमंत्री ने दिए है। अध्यक्ष महोदय, मै यह बताना चाहूगा कि एक जमीन मे 645 लोगो की हिस्सेदारी है। इन 645 लोगो के हिस्सेदारो ने 4 आदमियो को मुखतारनाामा दे दिया। उसमे पूरे आदमी पे ा नही हुए थे, यह बात रिपोर्ट मे आई है। हमे जब यह पता लगा तो उसकी रजिस्टरी बाकायदा केसिल की गई और उस तहसीलदार को सस्पैड किया गया। इस केस के बारे मे जांच जारी है, उन लोगो के खिलाफ केस दर्ज किया और बाकायदा इन्कवायरी चल रही है। अगर किसी का जरा भी हाथ होता तो क्या ऐसा होता? मेरे बेटे का तो क्या अगर हमारे किसी सपोर्टर का भी होता तो क्या हम फौरी तोर पर जाच करते, क्या रजिस्टर कैसिंल करते, और क्या मुखतारनामा कैसिल करते? एक ही दिन मे क्या उनके खिलाफ केस दर्ज करते, क्या तहसीलदार को सस्पैड करते , क्या सारी कार्यवाही एक ही दिन मे पूरी करते? उन लोगो के साथ इन लोगो 4–5 साल पहले एग्रीमैंट कर रखा था।

श्री अध्यक्षः अगर आदमी आपके भी होते, तो आप इन्साफ ही तो करते।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसी तरह की बाते ये लोग करते है। किस तरह से इन्होने बेबुनियाद और गलत बाते कह कर हाउस को गुमराह करने की कोि ा ा की है ताकि भजन लाल की प्रतिश्ठा कम हो जाए। अध्यक्ष महोदय, उन्होने यह भूमि

1979 मे, जो 79 एकड 4 कनाल 3 मरले है, को डूण्डाहेडा की पचायत ने बाकायदा 15.5.1989 को रेज्योलू ान पस करके दे दी थी और उस को हम ने टूरिज्म के नाम करवा कर इसका इन्तकाल करा दिया। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार को आए एक साल हुआ था तब हमने 25.3.1992 को उस जमीन का इन्तकाल टूरिज्म के नाम करवाया। ये उस जमीन को हडपना चाहतें थे किन्तु हमने हडप नही करने दी। गावो वाले ने इस केस के अगेस्ट अपील की हुई है। हमने यह केस कमी ानर के जिम्मे लगाया है कि वह इस केस को सुन कर जल्दी से निपटारा करे। अध्यक्ष महोदय, अगर ये भले आदमी थे तो इन्होने टूरिज्म के नाम इन्तकाल क्यो नही करवाया? कितनी बेसलैस और बेबुनियादी बात ये करते है, जिसका कोई आधार ही नही है।

इसी तरह से इन्होने पलवल के अडडे की बात कही कि पलवल बस स्टेड की जमीन मे भजन लाल के लडको का हिस्सा है। इस केस की पृश्ठभूमि मै आपको बताना चाहता हू इस समय के रिकार्ड के अनुसार बताया जाता है कि पिछले प्लाट पर श्री सुरे ा वर्मा, कर्नल विक्रम सिंह, इन्द्रजीत सिंह, भूतपूर्व सरपच बझेरा और वह लाला जो श्री देवी लाल सरकार मे रहा, मंत्री श्री धर्मवीर का भाई है, का वि ोश तौर पर हिस्सा है। अध्यक्ष महोदय यह भी कहा जा रहा है कि एक दुकान उन्होने श्री कर्ण सिंह दलाल एम0एल0ए0 के भाई को दे दी है और नायब तसहीलदार बताने के अनुसार भी कर्णसिंह दलाल का भाई खुद वहा पर

पंजीकरण कराने के समय आया था। इस जमीन मे श्री रती एडवोकेट और सुरे ा भार्मा प्रापर्टी डीलरी की मिली भगत की बात भी कही थी। सुनने मे यह भी आया है कि तत्कालीन उप मण्डल अधिकारी, जो उस समय एस0डी0एम0 थे, जिनका नाम श्री सांगवान है, का नाम भी सामने आया है। अध्यक्ष महोदय, यह सब डी0सी0 ने रिर्पोट मे लिखा हुआ है। दूसरे प्लाट मे मुख्यत एक ही परिवार काबिज है और उसका मुख्यकर्ता श्री औमप्रका ा भार्मा जिला प्राथमिक ि ाक्षा अधिकारी फतेहबाद है। वह भी इनका आदमी है। इस विशय मे इस पार्टी को कचहरी से भी काफी मदद किसी के सहारे से मिली। अध्यक्ष महोदय, उस अफसर का नाम लेना ठीक नही रहेगा क्योकि यह जुडि ि ायल अफसर है। श्री राम स्वरूप तहसीलदार उप मण्डल अधिकारी को भी इस मामले मे सस्पैड कर दिया गया है। इसके अलावा जमीन की खरीद फरोख्त का मामला 1974 मे किया प्रतीत होता है। इस जमीन से सम्बन्धित काफी इन्तकाल इनके अपने आदमियो के नाम पर 1988 मे इनके वक्त मे हुए है उन लोगो ने यहा पर दुकाने बना ली। अध्यक्ष महोदय, अब लाला के भाई हमारी पार्टी मे आ गए है लेकिन मुझे सच्ची बाते कहने मे कोई एतराज नही है चाहे वह मेरे बेटे के खिलाफ हो तो भी सच्ची बात कहने मे कोई एतराज नही है, चाहे वह मेरे बेटे के खिलाफ हो तो भी सच्ची बात कहने मे कोई एतराज नही है, चाहे वह मेरे बेटे के खिलाफ हो तो भी सच्ची बात कहूगा। अब लाला ने हिस्सा देने से इन्कार कर दिया, उससे कहा कि मैने कब्जा किया था। जब चौटाला और सम्पत के लोगो

को हिस्सा देने से इन्कार कर दिया तो वह भाोर मचाते है कि भजन लाल के बेटो ने कब्जा करा दिया। 1988 मे इन्तकाल हो गया, कब्जा इनका है। लाला ने कर्णसिह दलाल के भाई को एक दुकान दी लेकिन ये हमारे पर इल्जाम लगाते हैं। अगर इन मे जरा भी गैरत हो तो इनको चुलु पर पानी मे डूब कर मर जाना चाहिए। यह सारी बात मै रिपोर्ट की कह रहा हू, अपने मुह से कुछ नही कर रहा हू। इस तरह से होडल बस स्टैड के बारे मे कह दिया। होडल बस स्टैड के बारे मे जो सरकारी रिपोर्ट है, वह बता रहा हू यह सियासी रिपोर्ट नही है। कि मै अपने मुह मे कुछ भी कह दू। जो डियूटी कमी ानर की रिपोर्ट आई है वह बात रहा हू। अध्यक्ष महोदय, होडल बस स्टैड के पास एक भाामलात पटटी अन्धवा है जिसका 695 कैनाल 16 मरले रकबा के काफी भाग मे एक जोहड है जिसको लोकल भाशा मे ढाडी जोहड के नाम से पुकारा जाता है। अब भी होडल भाहर की नाालियो का पानी, बरसात का पानी, इस जोहड मे जाता है इस भाामलात पटटी अधवा का एक नम्बर 484 है, जिसका आठ कैनाल 14 मरले रकावा था, जिसका कुछ भाग पांच पजीकरणो के माध्यम से बेचा गया जो श्री मोहन चन्द पुत्र श्री बत्तुराम, निवासी होडल व राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री ज्योति कुमार, निवासी पलवल से कराया था। इन सभी पजीकरण का कु ल रकबा 5 कैनाल 8 मरले है। दिनांक 2.12.1992 के उक्त सभी पजीकरण दाखिल खारिज कर दिये गये। दिनांक 18.12.1992 के उपायुक्त के आर्डर के अनुसार, यह सारी जमीन नगरपालिका के नाम कर दी गयी है फिर भी भाामलात पटटी को

कुछ जमीन की रकवा, लगभग 12 एकड, भाामलात पटटी अन्धवा के हिस्सेदार से खरीदने की कुछ बाते कुछ लोग करा रहे है। यह भी सुना गया है कि मुख्यत श्री खिल्लन सिंह, भूतपूर्व एम0एल0ए0 जो अब सजपा मे भाामिल हुए है, और चौधरी नारायण सिंह, जो भारतीय किसान यूनियन के प्रधान है, इसको लगभग 21 लाख रूपये मे खरीदे रहे है इस विशय मे दोनो व्यक्तियो ने यह ऐतराज किया है कि इस जमीन का इतकाल नगरपालिका के नाम नही कराना चाहिए। इस विशय मे दोनो महानुभावो ने विभिन्न अधिकारियो से भी मुलाकाता की है। बस स्टैड के पास कोई रकबा 1500 कैनाल नही है। ऐसा लगता है कि विधायक ने कुल रकबा जो नगरपालिका के नाम हुआ है की बात की है जो की सारी जमीन खिल्लन सिंह बगैरहा हडप करना चाहते है। ये लोग पहले से ही अपनी पे ाबन्दी करने की कोि ा ा कर रहे है। अध्यक्ष महोदय यह ऐसा क्यो करा रहे है, क्योकि ये लोग स्वय सारी जमीनो पर कब्जे कराया करते थे। इन्होने तो जमीनो के अलावा मकानो पर भी कब्जे किये और किसी की बहु बेटी की इज्जत पर भी हाथ डालने से गुरेज नही किया था। इसलिए ये और लोगो पर भी वैसा ही इल्जाम लगाना चाहते है। क्योकि जैसा इन्सान खुद होता है, वह वैसा ही दूसरो को भी समझता है। जो अच्छा इंसान होगा वह घटिया और कमीनी बाते कभी नही करेगा। अगर कोई व्यक्ति किसी आधार और बगैर मतलब की बाते करे तो ठीक नही है। मेरे पास तो रिकार्ड की बाते है और सरकारी रिकार्ड पडा हुआ है ताकि अगर ये कुछ कहे तो मै इसको बताउ

। अगर ये लोग इस समय हाउस मे होते, तो मै इनको कुछ बताता लेकिन मेरे सामने इस समय सारी कुर्सिया खाली पडी हुई है।

अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह के खिलाफ रेडज हुए। 172 एफिडेवेट, हलफिया ब्यान भी मिले, जिसमे से 22 कोरे, बाकायदा तसदीक किये हुए मिले है। ये चाहते है कि जो रेडज के अन्दर ऐफेडेविट मिले है उन पर कानूनी कार्यवाही ना की जाए, इसीलिए से दूसरो को भी यही समझते है कि इन्होने भी कब्जे करा रखे है या बेनामी करा रखे है। अध्यक्ष महोदय, इन्होने उनसे बाकायदा मुख्यतारनामा ले रखा है इसी तरह से ये सोचते है कि दूसरो ने भी ऐसे ही ले रखे होगे। कोई भी ऐसा गलत काम नही जो इनहोने न कर रखा हो। आज उनकी इक्वायरी भी चल रही है इसलिए अगर मै ज्यादा कहूगा तो अच्छा नही लगेगा, इक्वायरी से साबित हो जाएगा। इसीलिए ये पहले से ही अपने पें ाबन्दी करने मे लगे हुए है ताकि इनके खिलाफ कुछ कार्यवाही न हो। लेकिन कानून अपने रास्ते से चलेगा। सिकी पर झूठे और गलत इल्जाम लगाकर ये लोग इस तरह की बाते नही कर सकते।

इसी तरह से बंसी लाल जी ने खानो के बारे मे कह दिया। मै आपको खानो मे बारे मे बताना चाहता हू। फरीदाबाद जिले मे दो तीन खानो पर नाजायज काम चल रहा है। इन्होने यह भी कहा कि इससे सरकार को राजस्व मे लाखो रूपये का नुकसान हो रहा है। वर्श 1986 मे इन खानो का राश्ट्रीयकरण किया गया

था। इन्होने यह भी टिप्पणी की है कि अब इनका फिर राश्ट्रीयकरण होना चाहिए। फरीदाबाद की सभी खाने कायदे और कानून के मुताबिक ठेके और लीज पर दी गयी है तथा किसी भी खान मे नाजायज खुदाई नही हो रही है। अध्यक्ष महोदय, हम सरकार को राजस्व की हानि नही होनी देगे। वर्श 1986 मे खानो का राश्ट्रीयकरण नही किया गया, केवल फरीदाबाद जिले मे प्राइवेट पटटेदारो की, सिलका सैड की सब लीजे समाप्त करके, हरियाणा मिनरल्ज को दी गयी थी। इसके अलावा बारकी सारे राज्य मे सब खनिजो के ठेके पटटे बाकायदा प्राइवेट ठेकेदारो को, ओपन औक ान मे दिये जाते है या उससे रायल्टी ली जाती है लेकिन फरीदाबाद जिले मे जिन पटटेदारो की लीजे समाप्त हो गई थी, उन्होने इन आदे ाो को दिल्ली हाई कोर्ट मे चुनौती दी और न्यायालय ने उनकी लीज समाप्त करने का आदे ा रद्द कर दिया। राज्य सरकार ने इसके अगैन्सट उच्चतम न्यायालय मे अपील की परन्तु वह भी खारिज हो गयी। परिणाम स्वरूप हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार प्राइवेट पटटेदारो को फिर से कब्जे मिल गये। जिला फरीदाबाद मे पाली प्लाट न0 एक, मागे प्लाट न0 4,9,10 की लीज अवधि, जून अगस्त, 1991 मे समाप्त हो गयी थी, परन्तु इन पटटेदारो ने, भारत सरकार की पास, प्रोवीजनल ऐप्लीके ान दायर करके स्टे ले लिया। इन्ही आदे ाो के अधीन इन खानो मे अभी भी कार्य कर रह है। इन केसो की सुनवाई 12–13 जनवरी 1993 को हो चुकी है और आदे ा किसी भी समय पारित हो सकते है अध्यक्ष महोदय, जिला फरीदाबाद के

एक आदमी का, उच्चतम न्यायालय द्वारा माइनिंग लीज प्रदान करने के आदे ा के बावजूद भी उसे कब्जा नही लिया गया। श्री बंसी लाल जी ने कहा कि कहा कि उन्हे माईनिग भी नही करने दी जा रही है। भाायद माननीय सदस्य का सकेत श्री ि ा ाुपाल के केस से है। इस केस मे पजाब तथा हरियाणा उच्चतम न्यायालय मे दिनांक 17.11.1992 को यह आदे ा दिए थे कि श्री ि ा ाुपाल को पाली गाव मे 127.95 हैक्टेयर की माईनिग लीज इस भार्त पर प्रदान की जाए कि वह खनन का कार्य तभी आरम्भ करेगे, जब इडियन ब्यूरो आफ माइनिग से माइनिग प्लान पास करा लेगे। इन आदे ाो के अनुसार श्री ि ा ाुपाल को, दिनांक 20.11.1992 को माइनिग लीज प्रदान की गई तथा उस को इस क्षेत्र का कब्जा भी दे दिया गया। पटवारी के रोजनामर्च मे इसका इन्द्राज भी हो गया, इसलिए मै इनके बारे मे बता रहा हू कि चूकि श्री ि ा ाूपाल माईनिग प्लान पे ा नही कर सके, इसलिए ये खनन का कार्य भाुरू नही कर सके। हमारी तरफ से उसको कोई दिक्कत नही है। श्री बंसीलाल जी द्वारा उठाई गई बाकी चर्चा का जिकर तो मै बाद मे करूगा, लेकिन इनका यह कहना ठीक नही है कि सरकारी को कोई नुकसान हो रहा है। दूसरी बात भी बंसी लाल जी ने यह कही है कि बडी करप् ान है थाने बिक रहे है। अरे, करप् ान का नाम है। बसी लाल। यह मै नही कहता, कि यह भााह कमी ान ने कहा है। अध्यक्ष महोदय, अगर वे हाउस मे होते तो मै आपको बताउगा, ज्यादा नही बताउगा, क्योकि वे तो हाउस मे बैठे नही है। ये अपने आप को बडा टीरींखा समझते है। अपने

आप को बडा भारी मोहतबर समझते है, अपने आप को बडा ईमानदार समझते है। चौधरी बंसी लाल के कौन से मिल चलते है, कितनी जमीन नहरी थी, क्या इनकी हैसियत थी, ब्रीफलैस लायर इनको कहते है कि लोग, जिसकी फीस 10 रूपये थी आज ये चौधरी धर्मपाल के बारे मे कहते है कि उसको अंदर होना चाहिए। धर्मपाल एक खानदानी आदमी है भाानदार और बढिया आदमी है, चुनाव लडने वाले आदमी से इन्होने सुनी सुनाई बात के बारे मे कहा है। इनसे कुछ लिखवा लिया और एक ही दिन मे चीफ मिनिस्टर भी लिख दे, एक ही दिन मे डी0जी0 पुलिस भी लिख दै, एस0पी0 लिख दे और एक ही दिन मे केस दर्ज हो जाए, इससे ज्यादा घटिया और कमीनी हरकत से और क्या कर सकते है? इन्होने यह कहा है कि बिजली बोर्ड की जो बिजली लगाई गई और कुछ कार्यो मे हुई अनियमिताओ के बारे मे जांच करने के लिए मामला जगमोहन रेडडी कमी ान को सौपा गया था। रेडडी कमी ान की यह फाईडिग है, जो मै आपको पढकर सुना रहा हू। रेडडी कमी ान ने एक इन्वैस्टिगेटिग टीम नियुक्त की थी, उनकी अपनी फाइडिगज मै लिखा है कि समस्त अधिकारियो एवम अन्य व्यक्तियो से ब्यान लिए थे, इन ब्यानो मे कुछ हलफिया ब्यान भी थे इनमे बताए गए आरोप निम्नप्रकार है, बहुत ध्यानपूर्वक सने

श्री रामधारी गोड (भूतपूर्व सिंचाई मंत्री हरियाणा): श्री रामधारी गोड ने बताया कि जब उसने श्री बंसी लाल के ध्यान मे यह बात लाई थी कि हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड श्री अटवाल, श्री

डाबरी वाली और श्री सुरेन्द्र सिंह कैरो द्वारा बनाई गई कपनियो को अनडयू फेवर दे रहे है श्री बसी लाल ने उन्हे नजर अदाज कर दिया। श्री साहनी को सर्विस मे ऐक्सटै ान दी गई। श्री गोड मंत्री होते हुए भी उनकी मार्फत फाईले नही भेजी गयी थी।

श्री एम0एल0 खन्ना, सेवानिवृत टैक्नीकल मैम्बर, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड, उन्होने अपने हलफिया ब्यान के यह बताया कि मैसर्ज हरियाणा कडक्टर्स, जिनको पहले डिस्क्वालीफाई किया गया था, उनको श्री साहनी के कहने के मुताबिक श्री बंसी लाल द्वारा, निर्दे ा दिए जाने पर, दोबारा परचेज आर्डर देने के लिए उचित समझा गया। श्री ए0आर0 सागर सेवानिवृत टैक्नीकल सर्विसेज हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड ने बताया कि हरियाणा कडक्टर्स के साथ पहले कारोबार खत्म करने और उसके बाद नये सिरे से दोबारा परचेज आर्डर देना, यह दोनो श्री बंसी लाल जी ने कहने पर की गई थी। श्री साहनी ने भी यह बताया कि इडियन एम्बूलियन केबल को जो कट्रैक्ट दिया गयाथा, वह भी श्री बंसी लाल जी के कहने पर दिया गया था। मैसर्ज हरियाणा इस्टीच्युट आफ इजनियरिंग कपनी, जो श्री अटवाल की कपनी थी, को भी फेवर करने के लिए श्री बंसी लाल द्वारा श्री साहनी को कहा गया था। यह रेडडी कम ाीन कह रहा है। श्री जियालाल जैन, चीफ एकाउन्ट आफीसर, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड ने बताया कि उन्हे परचेज कमेटी की सदस्यता से इसलिए हटाया गया था, क्योकि उन्होने प्रामिस किया था कि श्री अग्रवाल को 20 लाख रूपये का

लोन, खम्भे की फैक्टरी स्थापित करने के लिए देंगे, और उसी कपनी से पोल खरीदना वैध होगा। मैसर्ज हरियाणा इस्टीच्युट आफ इजनियरिंग कपनी, जो श्री अटवाल की कपनी थी, को भी फेवर करने के लिए श्री बंसी लाल द्वारा श्री साहनी को कहा गया था। यह रेडडी कम ीन कह रहा है। श्री जियालाल जैन, चीफ एकाउन्ट आफीसर, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड ने बताया कि उन्हे परचेज कमेटी की सदस्यता से इसलिए हटाया गया था, क्योकि उन्होने प्रामिस किया था कि श्री अग्रवाल को 20 लाख रूपये का लोन, खम्भे की फैक्टरी स्थापित करने के लिए देंगे, और उसी कपनी से पोल खरीदना वैध होगा। मैसर्ज हरियाणा इस्टीच्युट आफ इजनियरिंग कपनी, जो श्री अटवाल की कपनी थी, को भी फेवर करने के लिए श्री बंसी लाल द्वारा श्री साहनी को कहा गया था। यह रेडडी कम ीन कह रहा है। श्री जियालाल जैन, चीफ एकाउन्ट आफीसर, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड ने बताया कि उन्हे परचेज कमेटी की सदस्यता से इसलिए हटाया गया था, क्योकि उन्होने प्रामिस किया था कि श्री अग्रवाल को 20 लाख रूपये का लोन, खम्भे की फैक्टरी स्थापित करने के लिए देंगे, और उसी कपनी से पोल खरीदना वैध होगा। यानि पहले 20 लाख रूपये देकर उसकी फैक्ट्री लगवा दी और बाद मे, उसी फैक्ट्री से पोल खरीदने की बात हो जाये, यह कहा की उचित बात है? फिर श्री एस0आर0 सुबह मणयम, भूतपूर्व सदस्य, फाईनांस एण्ड एकाउन्टस, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड ने कहा कि जय हिन्दी इन्वैस्टीगे ान एण्ड इडस्ट्रीच से पोल खरीदने मे श्री बंसी लाल इच्छूक थे। ऐसे

ही हरियाणा कडक्टर्ज के साथी जो कार्यवाही की थी, और इडियन एम्बुलैस के साथ जो पैकेज डील किया गया था। यह दोनो श्री बसी लाल की इच्छा मुताबिक किया गया था। श्री राम नारायण भूतपूर्व मंत्री और सचिव हरियाणा इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड ने यह कहा कि इडियन केबल्ज जो पैकेज किया गया था, वह श्री बसी लाल ने निर्दे ाानुसार किया गया था, श्री बसी लाल इस कम्पनी की फेवर मे इसलिये थे, क्योकि वह उनकी मांग को पूरा करती थी। हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के अनेक कार्यो के सम्बन्ध मे भारत के राश्ट्रपति को दिये गये ज्ञापन मे, दोशारोपण किया गया और भारत के आडिटर जनरल परीक्षक द्वारा एक वि ोश लेखा परीक्षा कराई गई। इस वि ोश परीक्षा का अनुरोध मुख्य सचिव द्वारा दिनांक 8 नवम्बर, 1972 किया गया। महालेखाकार पद के समकक्ष का एक वि ोश कार्यभारी अधिकारी, इस लेखा परीक्षा के कार्य के लिये नियुक्त किया गया। उसने यह लेखा परीक्षक रिपोर्ट 31 अगस्त 1973 को प्रस्तुत की थी। इस लेखा परीक्षा मे ग्रामीण विधुतिकरण स्कीम के तहत जो कडक्टर्ज, पोल्ज, मीटर्ज, ट्रासफारमर्ज, तारे केबल्ज, इन्सुलेटर्ज खरीदे गये थे तथा अन्य दूसरे मुददो का परीक्षण किया गया। इस लेखा परीक्षा मे, उपरोक्त चीजो की खरीद मे गम्भीर वितीय एवम प्रारम्भिक अनियमितताए द ार्शायी गई है। लेखा परीक्ष द्वारा निकाला गया सारा ा नीचे द ार्शाया जाता है। कडक्टर्ज टैडर्ज मे अनियमितताए आदे ा जारी करने तथा माल प्राप्त करने के बीच अनियमितताओ के विशय मे बताया गया है कि बोर्ड ने 1422.60 लाख रूपये यानी 14 करोड

22 लाख 60 हजार रूपये का अतिरिक्त खर्च किया। पोल खरीद के आदे ा एक प्राईवेट कम्पनी को दिए गये हालाकि इस कम्पनी ने इससे पहले टेडर के अन्दर भाग नही लियाा थ। इसके अलावा स्पैसिफिके ान्ज के अनुसार पोल्ज की जांच पडताल के बिना ही पोल्ज आपूर्ति के लिए गये थे। जिसके परिणामस्वरूप बोर्ड को सब स्टैडर्ड माल प्राप्त हुआ तथा स्पैसिफिक कारणो के आधार पर क्षेत्रीय कार्यालयो मे पोल का घटिया किस्म के बारे मे ि ाकायते प्राप्त होने लगी। मीटर्ज के बारे मे उन्होने बताया है कि 34.35 लाख रूपये गलत तरीकें से दिये गये। इसी तरह से उन्होने ट्रासफामर्ज की खरीद के बारे मे हुई अनियमितताओ के बारे मे रिपोर्ट दी है।

वायर्ज तथा केबल्ज ये भी कामोवे ा रदद कर दी गई तथा बिना आधारो के यह आदे ा दिये गये था तथा जरूरत से अधिक मात्रा मे खरीद की गई जो बिना आव यकता के अनुरूप थे। नीची दरो वाले पोल्ज के टैडर्ज को नजरअन्दाज किया गया तथा अधिक मांत्रा मे क्रय किया गया। यह सारी रिकार्ड की बात है। ऐसी बात नही है कि फर्जी बात हो। इस तरह आव यकता से अधिक सामान का क्रय किया गया। इसके अलावा दोशी फर्मो के खिलाफ सामान की आपूर्ति न करने के बारे मे कोई कार्यवाही नही की गई। अन्य मुददे एक ऐसी फर्म को भी आदे ा दे दिया गया। जिसके पास कोई कारखाना ही नही था। इस फर्म का सामान भी खराब पाया गया। नाईलोन की रस्सिया अनुपयुक्त नाईलोन की

रस्सियो का क्रय किया गया या बिना टैडर इन्वाईट किये क्रय किया गया। स्विच आदि यह सामान भी बिना जरूरतो तथा निरीक्षण परीक्षण तथा बिना स्पीकृति के खरीदा गया। उपरोक्त क्रय को भारत सरकार उपरोक्त जगमाहेन रेडडी जांच आयोग की विशय वस्तु बनाया गया, आयोग की अवधि के दौरान यह रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है लेकिन यह रिपोर्ट इगलि ा मे दी गई है। अगर मै इसको पढूगा तो काफी टाईम लगेंगा। आडिटर जनरल ने यह होल्ड किया है कि बडा भारी घपला इस बसी लाल ने बिजली बोर्ड मे किया है। दूसरे लोगो के बारे मे ये कैसे कह सकते है? अध्यक्ष महोदय, अब आगे मै और क्या कहू, बाकी बातो को तो मे तब कहूगा जब कभी यह हाउस मे आयेगे। मै फिर इनका इतिहास बताउगा कि इनका अपना क्या इतिहास है जो लोगो के बारे मे कहते फिरते है इनके बारे मे एक बुक है जिसका पहले भी मैने हवाला दिया है। इस बुक मे यह कहा गया है कि इसको तो थानेदार होना चाहिए या फिर किसी स्कूल का मास्टर होना चाहिए। क्या ये रक्षा मंत्री के लायक थे?

अध्यक्ष महोदय, इन्होने एस0वाई0.एल की बात कही और यमुना के पानी के बारे मे एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव भी लाए। इस बारे मे मैने बार बार जवाब भी दिया है। स्पीकर साहब, ये लोग इस तरह की बात करके पजाब को होस्टाइल करना चाहते है ताकि यह नहर न बने और न ही हरियाणा मे पानी आए। पजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि नहर बननी चाहिए और हरियाणा को

पानी मिलना चाहिए इस बात के लिए हम पजाब के मुख्यमंत्री के आभारी है। हम चाहते है कि नहर बननी चाहिए। हम तो यही आ ाा कर रहे है कि जब नहर बन जाएगी तो हरियाणा को पानी भी मिल जाएगा। चौधरी बसी लाल हरियाणा के काफी समय मुख्यमंत्री रहे, सैन्टर मे भी डिफैन्स मिनिस्टर रहे, लेकिन नहर का आधा काम भी इसने समय मे नही हुआ। अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी तरह जानते है कि कितने अर्से तक ये हरियाणा के होलीसोली रहे और सामने बैठने वाला मेरे भाई भी सरकार मे रहे। लेकिन इनके समय मे भी कुछ काम नही हुआ। प्रका ा सिंह बादल, चौधरी देवी लाल के पगडी बदल भाई थे, लेकिन जितना नुकसान प्रका ा सिह बादल ने एस0वाई0एल को पहुचाया, किसी और ने नही पहुचाया। चौधरी देवी लाल कहते थे कि प्रका ा सिंह बादल को पजाब का मुख्यमंत्री बनाओ। नहर के बनने मे सब से बडी रूकावट प्रका ा सिंह बादल ने डाली थी। मै सदन को वि वास दिलाता हू कि यह नहर अव य बनेगी, हर हालत मे बनेगी। स्पीकर साहब, इस नहर के बनाने से कोई इकांर नही कर सकता। अकाली भी इन्कार नही कर सकते, क्योकि प्रका ा सिंह बादल ने और बरनाल साहब ने सैन्टर से पैसा लिया था, इसलिए इस नहर के बनने से कोई इन्कार नही कर सकता। पानी के बारे मे फैसला ट्रिब्यूनल मे किया हुआ है। जितना पानी ट्रिब्यूनल ने हमे दिया है, उससे एक बुंद भी कम पानी हमे नही मिलेगा। आज पजाब के हालात धीरे धीरे सुधर रहे है। इसके लिए मै पजाब के मुख्यमंत्री को बधाई देना चाहता हू । सारे दे ा की नजरे पजाब

की और लगी हुई है। अब पजाब के हालात कट्रोल मे आ रहे है। हमे इस समय संयम और तरीके से काम लेना चाहिए ताकि पजाब के हालात खराब न हो। उग्रवादियो ने किसी भी पानी की बात नही की थी और न ही चण्डीगढ की। उनके दिमाग मे तो केवल खलिस्तान की बात थी। अध्यक्ष महोदय, जहा तक अबोहर फाजिल्का का ताल्लुक है, हमारा अपने स्टैण्ड से हटने का सवाल ही पैदा नही होता। पानी हमे पूरा मिलेगा। जहा तक यमुना मे हमारा पानी का सवाल है, 1954 के ऐग्रीमैट के आधार पर जितना हमारा भोयर है यानी दो तिहाई हिस्सा ताजेवाले हैड से मिलना चाहिए। इससे कम पानी आने का सवाल ही नही है। इससे एक बूंद भी कम पानी हो जाए तो आप हमे उलाहना दे सकते है। अध्यक्ष महोदय, इन्होने कहा कि आपने कैसे कह दिया कि यह एक ऐतिहासिक फैसला है। स्पीकर साहब, यह बिल्कुल ऐतिहासिक फैसला है। हथनी कुज बैराज, जो क्रैक हो चुका है उसका बनना भी बहुत जरूरी है। वह गिर गया और हथनी कुज बैराज नही बना। डबल्यू जे0सी0 से हरियाणा का जो हिस्सा सिचित होता है, वह डूब जागएा, इसलिए इसका बनना बहुत जरूरी है। जब यह बैराज बन जाएगा तो हम कुछ न कुछ पानी रोककर उसे कई दिन चला सकते है। अध्यक्ष महोदय, ये लोगो को गुमराह कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा इन लोगो से कहना चाहता हू कि इन को कोई ऐसी बात नही कहनी चाहिए जिससे प्रदे ा के हित को कोई आघात लगे। अध्यक्ष महोदय, लोग कहते है कि किसान को ठीक भाव नही मिलता, लोगो को बिजली नही मिलती। मै

कहना चाहता हू कि चौधरी देवी लाल के समय मे एक भी थर्मल प्लाट चालू नही हुआ। सारे प्लाटस काग्रेस के वक्त मे चालू हुए थे। जब वे बनकर चालू हुए, तब लोगो को बिजली मिली। ये लोग किसान का नाम लेकन जनता को गुमरहा करना चाहते है। अध्यक्ष महोदय, मे किसानो को कहना चाहता हू कि वे इन सियासीलोगो के हाथो मे न खेले। आप जानते है कि ये लोग किसानो को फिर यह भी कह देगे कि आपके साथ बडी ज्यादती हो रही है, यह कोई बाडी बात नही है।

17.00 बजे

अध्यक्ष महोदय भारत सरकार ने एक प्रस्ताव पारित करके मीटिग बुलाई थी, जिसमे हमारे प्रदे ा के बिजली एवम सिचाई मंत्री श्री भाम ोर सिह सुरजेवाला भी उपस्थित थे। उस मीटिग मे सर्व सम्मति से यह फैसला हुआ था कि सारे मुल्क मे एक सार 50 पैसे पर यूनिट के हिसाब से बिजली के रेटस होने चाहिए। 11 प्रान्तो मे एक जैसे रेटस है लेकिन पजाब प्रान्त मे दूसरो की निस्बत कुछ कम रेटस जरूर है इसमे कोई दो राय नही है। केवल उस हालत मे मु ाकिल हो जाती है जब कभी वहा पर कोई ऐजीटे ान हो जाए, लेकिन उन्होने यह वायदा किया है कि वे भी रेटस बढाएगे और बाकी राज्यो मे भी बढाये जा रहे है।

अध्यक्ष महोदय, आगे चलकर बिजली घरो मे 2 रूपए पर यूनिट के हिसाब से पडेगी लेकिन फिर भी हम किसानो को

सबसीडाइज्ड रेट पर बिजली देगे जबकि हमे 1 रूपए 30 पैसे पर यूनिट के हिसाब से पडती है और हम किसानो को 50 पैसे पर यूनिट के हिसाब से बिजली दे रहे है। इससे 80 पैसे प्रति यूनिट बिजली बोर्ड को घाटा हो रहा है। फिर भी यह लोग कहते है कि बिजली बोर्ड घाटे मे चल रहा है। हम इसको मानते है कि बिजली बोर्ड घाटे मे चल रहा है क्योकि किसानो को हम बिजली सबसीडाइज्ड रेटस पर देते है। इस वक्त सारे मुल्क मे 26 परसैन्ट के लगभग किसानो को बिजली दी जा रही है और हमारे हरियाणा 60 परसैन्ट दी जा रही है। 30 गुणा बिजली हम किसानो को ज्यादा दे रहे है और कारखानो को भी हम ज्यादा बिजली प्रोफिट लेकर के देगे। अध्यक्ष महोदय, आगे आगे बिजली की बहुत जरूरत है और अगर और बिजली के प्रोजैक्ट न लगे तो हम किसानो की बिजली कहा से देगे? कैसे हरियाणा मे उधोग लगेगे, कैसे इस मुल्क का राज चलेगा, काम चलेगा? इस बारे मे हमारी सरकार ने बाहर की कम्पनियो से बातचीत भी की है। एक यमुनानगर मे, एक हिसार और एक फरीदाबाद मे बिजली उत्पादन करने के प्लांट लगाने बारे हमारी बातचीत चल रही है। बहुत जल्दी ही इनसे एग्रीमैट करके, हमे कोि ा ा करेगे कि फरीदाबाद मे जो हमारा काग्रेस का ए0आई0सी0 का सै ान जो 27.28 तारीख को हाने जा रहा है, उस समय हम प्रधानमंत्री जी ने यमुनानगर के प्लाट का, रिमोल्ट कट्रोल द्वारा आधार ि ाला रखवाने की भरसक कोि ा ा करेगे ताकि उचित समय पर काम चालू हो सके।

इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, उधोगो के बारे मे भी इन्होने यहा पर जिकर किया कि कौन से उधोग हरियाणा के अन्दर लगे है। कितनी गैर जिम्मेदारना बात इन्होने कह दी। अध्यक्ष महोदय, इनको क्या बताउ, हमने आज हरियाणा के अन्दर अलग अलग तौर पर कितने प्रोजैक्ट लगाए है, अगर उनकी चर्चा मै कहने लगू तो सदन का काफी समय लग जाएगा। इसके साथ साथ चौधरी बंसी लाल जी ने यह भी कह दिया कि पुलिस की यूनियनज होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, ये अपना जमाना भूल गए है कि इन्होने अपने वक्त मे क्या किया था। इन्होने कह दिया था कि एस0पी0 की रिपोर्ट डी0सी0 लिखेगा और डी0आई0जी0 की रिपोर्ट कमि नर लिखेगा। लिखनी भुरू भी हो गई थी। हालात खराब हो गए थे, लेकिन आपको पता है, हमने आकर इन सभी बातो को ठीक किया था। फिर ये कहते है कि पुलिस की यूनियने बननी चाहिए। ये लोग पुलिस के बडे हमर्दद बनते है, क्योकि उनके डण्डे से इनको डर लगता है। इनको कहने से पहले थोडी बहुत गैरत तो होनी ही चाहिए और अपना जमाना इनको याद करना चाहिए था कि इन्होने अपने वक्त मे क्या हाताल कर रखे थे। अध्यक्ष महोदय, पुलिस की यूनियन तो अलग बात रही, आप प्रिसिपल रहे है, आप इस बात को अच्छी प्रकार से जानते होगे कि हिसार के अन्दर टीचर्ज ने, मास्टर्ज ने यूनियन बनानी चाही थी। 1987 मे तीन लाख कर्मचारी दिल्ली गए और इन्होने हरियाणा की पुलिस से उनकी पिटाई करवायी, जिसका नतीजा यह हुआ कि आज जनता ने इनका तो फातिया पढ दिया। ये चीफ मिनिस्टर

होते हुए असैम्बली का मुह तक न देख सके, फिर ये मुकाबला करते है भजन लाल का। अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तारीफ अपने मुह से करता अच्छा नही लगता। 1952 से लेकर आज तक, मै कभी कोई इलैक ान नही हारा और मेरे घर वाली, जो एक घर से रोटी बनाने वाली साधारण औरत है, मेहमानो का आदर करना जानती है वह भी उस वक्त जब चौधरी देवी लाल की आंधी चल रही थी, इलैक ान मे पूरे 10 हजार वोटो से जीत कर यहा मैम्बर बनकर आई थी ।फरीदाबाद के अन्दर, जहा पर जातपात का सिलसला चालू रहता है, वहा भजन लाल का कोई जात पात का नही था, फिर भी पूर डेढ लाख वोटो से जीत कर आया। इतना होते हुए भी ये लोग फिर क्या भजन लाल का मुकाबला करेगे? उल्टी सीधी बाते जितनी मर्जी ये लोग कर ले, लेनिक पब्लिक मे इनको कोई मुह लगाने वाला नही है उनको इनकी हरकतो का भली भाती पता है। मेरा चैलेज है जहा से चुनाव लडना चाहे, लड ले।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने पानी के बारे मे अच्छे सुझाव दिए और हम उनका स्वागत करते है। अध्यक्ष महोदय, हमारे यह वि व बैक की टीम आई थी, और हमने उनको अपने अच्छा काम दिखाए थें। मुझे खु ाी है कि वि व बैक के चेयरमैन ने हमारी बहुत तारीफ की कि हरियाणा मे बहुत अच्छे काम हुए है। उन्होने कहा कि अगर इसी तरह से दूसरे प्रान्तो मे भी काम हो तो कही भी पानी की दिक्कत नही रह सकती। हमने

पीने का पानी गांव गाव मे पहुचाया है । जहा कोई छोटी मोटी दिक्कत है, जैसे टूटी बगैरहा नही है, उसको भी हम ठीक करवाएगे। चौधरी बंसी लाल ने कहा कि मै तो ान मे गया था। हा, मै गया था वहा लाखो आदमी इकटठे हुए थे और लोगो ने बडी भान्ति से हमारी बाते सुनी। हम उनकी जो जायज बाते है उनको मानेगे। चौधरी बसी लाल जी की तरह से नही कि एक मिनट मे लात मार देगे। सम्पत सिंह जी ने कहा हांसी उप मंडल और भटटू हल्के मे, पानी के कनैक ान काट दिए है। अध्यक्ष महोदय, बे बुसियाद बात तो मै नही कहूग, ऐसी बाते करने की उनकी आदत है। हम हर जगह जहा तक भी हो सकता है पूरा पानी देने की कोि ा ा कर रहे है। इतनी बात जरूर है कि जो पुरानी स्कीमे बना हुई है उनकी कैपेसिटी कम हो गई है। उस वजह से कुछ दिक्कत हो सकती है और हम इस दिक्कत को भी दूर करेगे। उन्होने कहा कि पिछले डेढ वर्श मे हरियाणा मे कोई उदयोग नही लगा। अध्यक्ष महोदय, मै बताना चाहता हू कि हरियाणा वित्त निगम ने, 950 केसिज मे 245 करोड रूपए के कर्जे पिछले डेढ साल के दौरान दिए, जबकि उससे पिछले तीन वर्श मे, 170 करोड रूपए के कर्जे मन्जूर हुए थे। इसी तरह से पिछले डेढ साल मे हरियाणा राज्य उदयोग विकास निगम ने, 27 पार्टियो के साथ एम0ओ0यू0 साईन किए है जबकि पिछले तीन वर्शो मे 17 एम0ओ0यू0 साईन हुए थे। इसी तरह से हरियाणा कृशि उदयोग निगम ने, 11 एम0ओ0यू0 साइन किए, जबकि उससे पहले पिछले तीन वर्श मे एक भी साइन नही किया गया था। पिछले डेढ वर्शो

मे केवल 8 उदयोग लगे थे। इस सब की सूची मेरे पास है, और मै दे सकता हू। इसी तरह से पिछले डेढ वर्शो मे 12356 छोटे उदयोग लगे थे, और उससे पहले 18896 स्थापित हुए थे। जहा तक एन0आर0आईज0 का सम्बन्ध है पिछले डेड वर्श मे उदयोग विभाग को 86 प्रार्थना पत्र प्लाटस की अलाटमैट के लिए प्राप्त हुए थे, और उनमे 27 पार्टियो को प्लाट अलाट किए जा चुके है। नवम्बर 1992 मे मेरे विदे ा के दौरे के फलस्वरूप, 55 एन0आर0 आईज0 से प्रस्ताव प्राप्त हुए है, जिनमे से तीन पार्टियो के साथ एम0ओ0यू0 साइन हो चुके है और पार्टियो ने अपने अपने प्रोजैक्ट लगाने के लिए आव यक कदम उठाए है बाकी की सभी पार्टियो के साथ बातचीत चल रही है।

अध्यक्ष महोदय, एक परिवार मे एक रोजगार देने के बारे मे हमने बहुत सी योजनाए बनाई है। इस बारे मे हम कदम उठाने जा रहे है। इसी तरह से बेरोजगारी को दूर करने के लिए हम परिवहन मे बेरोजगार लडको को रूट परमिटस देगे। इसी तरह से एजूके ान के मामले मे हमने बी0ए0 तक लडकियो की ि ाक्षा फ्री की है। हमने उनको ट्रनिग देने की स्कीम भी बनाई है जिसके तहत उनको सात सौ रूपए महीना वजीफा देगे। चौधरी बसी लाल जी ने रोडवेज के बारे मे जिकर कियां। उन्होंने कहा कि भिवानी मे बसे नही दी गई है। हमने वहा पर 22 नई बस भेजी है। अध्यक्ष महोदय, देवी लाल जी के राज के किस तरह से परिवहन का सत्याना ा किया गया था। हम परिवहन को बडी

मु कल से रास्ते पर लाए है और हमारी प्रोफिट की तरफ से आगे बढी है। इसी तरह से हम प्रदे ा मे तकनीकी ि ाक्षा को ज्यादा से ज्यादा बढावा देगे ताकि हमारे प्रदे ा का नौजवान, तकनीकी ि ाक्षा प्राप्त करके अपने पैरो पर खडा हो सके। इन्होने ि ाक्षा के बारे मे एक बात कह दी कि यदि ि ाक्षा के बारे मे कोई मीटिग होती है तो उस मीटिग मे आदमी आते ही नही है। हिसार एजुके ान के बारे मे कोई फक ान था, उसके लिए डिस्ट्रिक्ट एजुके ान औफिसर ने चिटिठयां लिख करके आदमी बुलाए थे। अध्यक्ष महोदय, हिसार मे युनिवर्सिटी का कैम्पस बनने जा रहा है रीजनल सैटर बनने जा रहा है। एजूके ान का कोई फक ान हो तो उन्होने लिखकर दिया होगा, मै इस बात से इन्कार नही करता। उन्होने एजूके ान के बारे मे एजूके ान की बात लिख दी होगी, वहा पर बहुत बडी चीज बनने जा रही है तो यह कोई बुरी बात नही है।

अध्यक्ष महोदय इन्होने आदमपुर मंडी मे लगातार तीन महीने से बडा जोर लगाया और वहा पर इन्होने एक मीटिग की। इन्होने कहा कि उस मीटिग मे एक लाख आदमी इकटठें हुए। अध्यक्ष महोदय, उस मीटिग मे आदमपुर हल्कें के गिनती के 500 आदमी भी नही आए होगे। ये वहा पर सारी स्टेट से आदमी ले कर गए और मै ईमानदारी से कहता हू कि उस मीटिग मे गिनती के टोटल 8372 आदमी आए थे। हमने एक एक आदमी को गिना है। उस जलसे मे, ये उन लोगो से, भजन लाल के खिलाफ हाथ

खडे करवाते है और कहते है भजन लाल ने यह कर दिया, वह कर दिया। जिस भजन लाल ने 1972 मे इनके लीडर चौधरी देवी लाल को चुनाव मे रेत चटा रखी हो, धुल चटा रखी हो, उस भजन लाल के बारे मे ऐसी बाते कहते है इसके अलावा मैने उनको फरीदाबाद मे चैलेज किया लेकिन वे मैदान छोड कर भाग गए और आज फिर मै उनको चेलैज करता हू कि वे जहा से उनकी मर्जी हो, मेरे मुकाबले मे चुनाव लडना चाहे, लड ले। ये लोग भजन लाल की बात करते है।

अध्यक्ष महोंदय, एक बात यह कह दी कि पचायत समितियो के चुनाव हो गए लेकिन कुछ पचायत समितियो के चुनाव नही करवाए। सभी पचायत समितियो के चुनाव होने जा रहे है। कुछ पचायत समितिया ऐसी है जिनके बारे मे कोर्ट से स्टे है और कुछ पचायत समितिया अधूरी है पूरी नही हुई है, इस वजह से चुनाव बाकी होगे। तीन महीने के अन्दर अन्दर सभी पचायते समितियो के चुनाव करवा दिए जाएगे। सम्पत सिह जी ने हमारे प ा पालन मंत्री श्री निर्मल सिंह के ंबारे मे एक बात कह दी कि वे आस्ट्रलिया चले गए, उसका उन्होने उसी दिन जवाब दे दिया था। सीमन यहा पर रखा हुआ है। हो सकता है किसी अधिकारी की कोताही से उसमे कोई गडबड हो गई होगी, उसकी हम जांच कर रहे है ओर जांच के बाद जिस किसी भी अधिकारी का उसमे कसूर होगा उसके खिलाफ हम कार्यवाही करेगे।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हमारे दोस्त अजमत खां जी ने कुछ मुददे उठाए और बुढापा पै ान के बारे मे बात कही। हम उनके सुझाव पर गौर करेगे। इसके अलावा चौधरी फूल चन्द मुलाना ने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पे ा करते हुए बहुत सी बाते कही और बहुत अच्छे अच्छे सुझाव दिए। उन सुझावो पर हम गौर करेगे और उनको पूरा करने की कोि ा ा करेगे। इसके अलावा अनुसूचित जाति और पिछडी वर्ग के बैकलाग के बारे मे भी बात की। हम बैकलोग को बहुत जल्दी ही पूरा करने की कोि ा ा करेगे। अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी ने एक बात कलैण्डरो के बारे मे की कि कलैण्डर दो बार छपे और एक बात अखबार वालो के बारे मे कह दी। मेरी किसी भी अखबार वाले से कोई लडाई नही है। मै सभी का आदर और सम्मान करता हू। मै इनकी तरह से नही हू। इन्होने अखबार वालो को सिरसा मे किस तरह से पिटवाया था। मेहम मे इन्होने अखबार वालो को लाठियो से पिटवाया और उनके कैमरे तक तोड दिए थे। ये लोग अखबार वालो के हमदर्द बनते है। इनको भार्म आनी चाहिए, गैरत होनी चाहिए। अगर इनको जरा सी भी भार्म हो, तो ये ऐसी बात कह नही सकते। ये ला एड आर्डर की बात करते है। हमारा सबसे पहले नारा था कि दे ा के अन्दर कानून व्यवस्था ठीक होनी चाहिए। अगर कानून व्यवस्था ठीक नही होगी तो विकास का क्या काम होगा? हमने दे ा के अन्दर सबसे पहला नारा दिया था कि हम अमन के साथ विकास करेगे और हमने अमन के साथ विकास करने की कोि ा ा की है। ये लोग बोलते

है छाज तो बोले सी बोले छलनी भी बोले, जिसमे सैकडो छेद। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार बने अभी 20 महीने का अर्सा हुआ है। कोई ज्यादा अर्सा नही हुआ। आज हर आदमी यह महसूस करता है कि प्रदे ा के अन्दर अमन और भााति है। कोई आदमी जगा हुआ हो, उसको कोई जगा नही सकता। आप सभी अच्छी तरह से जानते है कि इनके समय मे प्रदे ा के अन्दर कैसे हालात थे? ये सोये हुए है लेनिक जानबुझ कर नही जागते। आज ये कानून व्यवस्था की बात करते है। इनके समय मे दिन छिपने के बाद कोई आदमी अपने घर से बाहर नही निकल सकता था। कोई बहु बेटी अपने घर से बाहर नही निकल सकती थी। ऐसा वातावरण इन्होने बनाया हुआ था। इनकी ग्रीन ब्रिगेड के बदमा ाो ने किसी की जमीन, किसी का मकान और किसी की बहु, बेटी की इज्ज्त नही छोडी। आज क्या वातावरण इन्होने बनाया हुआ था। मै फरीदाबाद गया था और वहा पर मैने एक मीटिग ली थी। उस मीटिग मे लोगो ने मुझे कहा कि चौधरी साहब आपने 19–20 महीने मे ऐसा अमन कायम कर दिया है कि हम अमन की नीद सोते है। अध्यक्ष महोदय, हम जहा पर भी जाते है वहा पर लोग एक ही बात कहते है कि चौधरी साहब चाहे काम कुछ कम करो, हमे कोई परवाह नही लेकिन उनका राज नही आना चाहिए। अगर इनका राज आ गया तो हम बर्बाद हो जाएगे। हमने बडी मु कल से पीडा छुडवाया है। मैने उनसे कहा कि भाई यह बात मेरे बस मे थोडे ही है। यह तो तुम्हारे बस की बात है। यदि तुम उनको वोट नही डालोगे तो अपने आप ही उनका राज नही आएगा। लोग

कहते है कि सात जन्म मे भी हम उनको वोट नही डालेगे। इनको पता लगेगा जब ये इलैक ांज के दौरान लोगो के सामने जाएग कि ये कहा पर खडे है अध्यक्ष महोदय इनकी सारी बाते बे बुनियाद है।

जहा तक ला एण्ड आर्डर का ताल्लुक है इसके लिए मै सारी ऐडमिनिस्ट्रे ान को बधाई देता हू। जिला स्तर पर पुलिस का और सिविल ऐडमिनिस्ट्रे ान का बडा अच्छा तालमेल है। आई0जी0 और डी0आई0जी0 का बडा तालमेल है। इसी प्रकार से चीफ सैक्रेटरी और दूसरे सैक्रेंटरियो का आपस मे बहुत अच्छा तालमेल है। मेरे कहने का मतलब यह है हमारे सारे अधिकारियो ने मिलकर सारी स्थिति पर बडे भाानदार ढंग से कन्ट्रोल किया है। उग्रवादी उत्तर प्रदे ा मे, आसाम मे, आन्धप्रदे ा मे, गुजरात मे, जाकर तो वारदात कर सकते है, लेकिन उनकी यह हिम्मत नही कि हरियाणा मे वारदात करे। इक्का दुक्का तो घटनाए हो सकती है। सीता का राक के वक्त मे रावण भी उठा ले गया था। ऐसे राक्षस वृति के लोग तो उस समय भी थे। कहने का मतलब यह है कि हमारी फोर्स बहुत ही भाानदार तरीके से काम कर रही है। ये बडी मेहनत ओर लगन से काम कर रहे है। कभी ये प्रिसिपल सैक्रेटरी का नाम लेकर कहते है कि इनका मकान वहा है यहा है। यह अपने वक्त की बात याद करे तो इनको पता चले। हमारे अधिकारी बहुत भाानदार तरीके से काम कर रहे है। इन्होने अच्छा काम करके प्रदे ा का नाम ऊंचा किया है। पालिसी नीतियो

कितनी ही अच्छी क्यो न बनो ले, जब तक उनको अधिकारी इम्पलीमैट नही करेगे तो उन अच्छी पालिसियो को बनाने का कोई फायदा नही है। हमारे अधिकारियो ने इन पालिसियो को पूरी मेहनत और लगन के साथ इम्पलीमैट करके हरियाणा प्रदे ा का नाम सारे दे ा मे ऊंचा किया है। इसलिए मुझे फरख है कि हमारे अधिकारी भविश्य मे भी इस मेहनत और लगन के साथ काम करते हुए हरियाणा का नाम ऊंचा करेगै।

अध्यक्ष महोदय, इन्होने कही पर बात बात मै भिवानी और नारनौद की वारदात का भी जिकर किया। अध्यक्ष महोदय, मै बताना चाहता कि यदि कही पर ऐसी कोई बात हुई है तो हमने सब जगह केस रजिस्टर किए है और हमारी फोर्स ने तुरत कार्यवाही की है। यह पर उन भाईयो की तरफ से कैथल जिले मे टीक गांव की जमीन के झगडे के बारे मे बात कही कि वहा पर कब्जा करना चाहते है। ऐसी बात हमारे सपने मे भी नही है और न हमने कभी ऐसा सोचा है। मुझे तो बिल्कुल पता नही है। मैने वहा के लोकल मंत्री जी से पूछा कि यह क्या झमेला है। इन्होने मुझे बताया कि किसी के डेरे की जमीन का आपस मे लोगो का झगडा था। उस झगडे के कारण पुलिस मे केस दर्ज हो गया है। इस केस मे इन लोगो की तरफ से कहा गया है कि यहा पर भजन लाल का भतीजा है। मै पूछना चाहता हू कि क्या भतीजा गुनाह है? मै उन भाईयो ने पूछना चाहता हू अगर उनमे जरा भी गैरत है या भार्म है तो यह अपनी सही बात कहे। अगर जरा सार

भी मेरे भतीजे का कसूर है मेरा हो और मेरा कोई हाथ हो, तो मै इस्तीफा देकर चला जाऊगा। वहा के लोकल मंत्री ने बताया कि कोई डेरे की जमीन है। उस पर गंदगी के ढेर लगा हुआ था। गाव वालो ने गंदगी उठानी चाही तो डेरे वाले ने पुलिस मे रिपोर्ट दर्ज करा दी कि मेरी जमीन पर कब्जा करना चाहते है। और कोई बात नही है। स्पीकर साहब, आपका भी वही जिला है। आप भी जानते है, ऐसी कोई चीज हमारे सपने मे भी नही है। अध्यक्ष महोदय, अगर किसी की भैस दूध न दे तो कहेगे कि इसमे भी भजन लाल का हाथ है। किसी मिया बिवी का झगडा हो जाये और बीबी रोटी ने दे तो भजन लाल का हाथ है। ऐसे आदमियो को बीबी भी क्या रोटी दे जो इनसे तग रहती है?

अध्यक्ष महोदय एक बात और उनकी तरफ से आयी कि परमो ान नही करते। अध्यक्ष महोदय, जितनी भी सीटे खाली होती है, उतनी परमो ान हम कर देते है। किसी की परमो ान रोकने का सवाल ही पैदा नही होतां। अध्यक्ष महोदय, जसविन्दर सिंह की बात का जवाब तो सुबह दे ही दिया था।

अध्यक्ष महोदय, अब मै विकास की बात क्या करू, हमारा सूबा तो हर दि ाा मे बडी तेजी से आगे बढ रहा है। अब मै और क्या इस बाबत पर चर्चा करू। यदि वे सामने बैठे होते तो बात कहने का मजा आता। तो अध्यक्ष महोदय, जब कभी मौका मिलेगा, तक बात करूगां।

अध्यक्ष महोदय, बहुत सुन्दर अभिभाशण महामहिम राज्यपाल महोदय ने दिया है फूलचन्द मुलाना जी ने प्रस्ताव रखा है और जिसको राजेन्द्र सिंह बिसला जी ने सैकेण्ड किया है मै आपसे प्रार्थना करता हू कि इस प्रस्ताव को यूनानिमसली पास करने की कृपा करे। राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण दिया है वह बहुत ही सुन्दर है हम उसका स्वागत करते है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान

Mr. Speaker: Hon'ble Members now, I will put the amendment givne notice of by Sarvshri Bansi Lal, Amar Singh, Ram Bhajan, Chattar Singh, Pir Chand, Karan Singh Dalal, Attar Singh to the vote of the House.

Question is-

That in the motion, the following be added at the end, namely:- "but regret that no mention has been made of-

1. Concrete steps which the Government proposes to take arrest Price rise and bring back the price line to January 1990-level.

2. Concrete steps which the Government proposes to streamline the detericrating Pubic Distribution System.

3. To facilitate the formation of Co Operative Societies of the unemployed edcuated youth in the State which would be preferred for the allotment of Bus-Route permit under the present policy of the Government private agencises

like gas, petrol, pumps, tractors, four wheelers, cement, kersene oil, Automeobiles etc. and contacts for developmental works like digging/desilting canals, construction of Govt Buildings and roads.

4. Fixing a time frame for clearing the back log in filling up the posts reserved for S.Cs. and B.Cs by time bound recruitment/promotion.

5. Declaration of Government intention to naticnalise all the mines in the State to prevnenlocting of precicus resources of the State by the vested interests.

6. Intentions of Government to allow police personnel to form Associtions.

7. Declaration of the intention of the Govrnment to ban colonization by private parties and to have it done only though HUDA, Co Operative Societies of unemployed youth Housing Board to put step to exploiation of the public by the privated colonisers.

8. Scheme for giving employment to one member of each family in the State even though he or she may be unfortunate to have remained UN educated.

9. Concrete steps which the Government proposes to take to complete SYL Canal to facilitate the farmers to irrigation theri fields in the State.

10. Concrete steps which the Government proposes to take to give adequate price to the farmers of their crops and provide wheat and rice to the poor consumers weaker section

of the Society in the State on subsidised rates with in their approval.

11. Lowering of age for grant of old age pension to 55 year and provision of inclusion of old persons ignored or not included in revised system of old age pension."

The Motion was lost.

Mr. Spekaer: Hon. Members, now I put the motion to the vote of the House.

Question is

That an Address be presented to the Governor in the following erms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 23rd February, 1993."

The Motion was carried

वर्श 1992–93 के अनुपूरक अनुमानो पर चर्चा तथा मतदान

1. राज्य के राज्सवो पर प्रभावित व्यय के अनुमानो पर चर्चा

2. अनुपूरक अनुदानो की मागो पर चर्चा तथा मतदान।

Mr. Speaker: Hon'ble Members now the discussion and voting on the Supplementary Estimates for the Year

1992-93 will take place As per the pase practice and in order to say the time of the House, the demands on the order paper will be deemed to have been read and moved. The Hon'ble Members cna sisucss and demand but they must mention the demand No on which they wish to raise discussion.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 2908000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 1 Vidhan Sabha.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 5784800 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 2 General Administration.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 232941000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 3 Home.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 10007000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 4 Revenue.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 27645000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for

the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 5 Excise and Taxation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 124444000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 6 Finance.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 37939000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 8 Bulidings and Roads.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 256994200 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 9 Education

That a supplementary sum not exceeding Rs.14264000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 14 Food Supplies.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 7900000 for revenue expenditure and Rs. 185447000 for capital expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 15 Irrigation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 3783000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 16 Industries.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 356292000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 17 Agriculture.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 20431000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 18 Animal Husbandry.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 10417000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 22 Cooperation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 205052900 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 23 Trasport.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 2301000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for

the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 24 Torusim.

(No member rose to speak)

Mr. Speaker: Question is-

That a supplementary sum not exceeding Rs. 2908000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 1 Vidhan Sabha.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 5784800 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 2 General Administration.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 232941000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 3 Home.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 10007000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 4 Revenue.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 27645000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for

the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 5 Excise and Taxation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 124444000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 6 Finance.

The Motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a supplementary sum not exceeding Rs. 37939000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 8 Bulidings and Roads.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 256994200 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 9 Education

The Motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a supplementary sum not exceeding Rs.14264000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 14 Food Supplies.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 7900000 for revenue expenditure and Rs. 185447000 for capital expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 15 Irrigation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 3783000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 16 Industries.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 356292000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 17 Agriculture.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 20431000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 18 Animal Husbandry.

The Motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a supplementary sum not exceeding Rs. 10417000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for

the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 22 Cooperation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 205052900 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 23 Trasport.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 2301000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defary charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March 1993 in respect of Demand No. 24 Torusim.

The Motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House is adjourned till 9-30 a.m tomorrow the 2nd March, 1993.

17.26 hrs.

(The Sabha then adjourned till 9.30 am on Tuesday, the 2nd March 1993.)